

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित



सोनीपत, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर खाना किया। यह ट्रेन जींद से सोनीपत के बीच चली। इसके साथ ही हाइड्रोजन फ्यूल से चलने वाली ट्रेन शुरू करने वाला भारत दुनिया का पांचवां देश बन गया है। इससे पहले जर्मनी, फ्रांस, स्वीडन और चीन में ही हाइड्रोजन ट्रेनें चल रही हैं। पीएम मोदी ने कहा- ‘जींद-सोनीपत के बीच चलने वाली यह ट्रेन दुनिया की सबसे ताकतवर हाइड्रोजन ट्रेन है। इस ट्रेन को भारत के इंजीनियरों ने डिजाइन किया है और भारत

की ही कंपनी ने बनाया है। ‘ 10 कोच वाली यह ट्रेन जींद-सोनीपत रूट पर 14 स्टेशनों के बीच अधिकतम 75 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलेगी। इसका किराया 5 से 25 रुपए के बीच रखा गया है। ट्रेन 89 किलोमीटर का सफर करीब 2 घंटे में पूरा करेगी। पीएम मोदी ने एलिवेटेड रेलवे ट्रैक, दो मेडिकल कॉलेजों समेत 8 प्रोजेक्ट्स का भी उद्घाटन और शिलान्यास किया। **स्वच्छता को बनाइए अपना संस्कार** प्रधानमंत्री ने जींद और हरियाणा के लोगों

भारत में पहली हाइड्रोजन ट्रेन शुरू

हरियाणा में जींद से सोनीपत तक 89किमी. का रूट

पीएम बोल: यह दुनिया में सबसे लंबी और ताकतवर

की स्वच्छता अभियान में भागीदारी की सराहना की। उन्होंने कहा कि पिछले एक हफ्ते से वह सोशल मीडिया पर सफाई अभियान देख रहे थे। उन्होंने लोगों से कहा कि स्वच्छता के लिए मोदी के आने का इंतजार नहीं होना चाहिए। यदि जींद के लोग संकल्प ले लें, तो स्वच्छता को अपना स्वभाव और संस्कार बनाकर हर दिन की जिंदगी का हिस्सा बना सकते हैं।

रेलवे में बड़ा बदलाव, डीजल पर निर्भरता हुई कम प्रधानमंत्री ने कहा कि 1925 से 2014 तक करीब 90 वर्षों में देश के रेल नेटवर्क का केवल 30 प्रतिशत बिजलीकरण हुआ था, जबकि 70 प्रतिशत हिस्सा डीजल पर निर्भर था। पिछले 12 सालों में करीब 99 प्रतिशत

रेल नेटवर्क का बिजलीकरण हो चुका है। यदि होर्मुज स्टेट में युद्ध जैसी स्थिति 2014 से पहले बनती तो डीजल आपूर्ति प्रभावित होने से रेलवे भी संकट में आ सकता था, लेकिन अब हालात बदल चुके हैं।

खेलों में हरियाणा के युवाओं पर जताया भरसा प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत 2030 में कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी करेगा और 2036 ओलिंपिक की मेजबानी के लिए भी प्रयास कर रहा है। सरकार खिलाड़ियों को हर संभव सुविधा देगी। भारत न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के साथ स्पोर्ट्स इंडस्ट्री और खिलाड़ियों के ट्रेनिंग के क्षेत्र में मिलकर काम करेगा, जिसका लाभ हरियाणा के युवाओं को मिलेगा।

युद्ध का असर भारत पर पड़ता है

प्रधानमंत्री ने कहा कि यदि होर्मुज स्टेट में युद्ध जैसी स्थिति बनती है, तो इसका असर भारत पर भी पड़ता है, क्योंकि इसी समुद्री मार्ग से देश में पेट्रोल, डीजल और खाद समेत कई जरूरी वस्तुओं की आपूर्ति होती है। उन्होंने कहा कि यदि 2014 से पहले ऐसी स्थिति पैदा होती, तो देश का रेलवे नेटवर्क गंभीर संकट में आ जाता, क्योंकि उस समय रेलवे का बड़ा हिस्सा डीजल इंजनों पर निर्भर था। ऐसे में यदि डीजल की आपूर्ति बाधित हो जाती, तो ट्रेनों का संचालन भी प्रभावित हो सकता था। प्रधानमंत्री ने कहा कि अब स्थिति बदल चुकी है। उन्होंने कहा, ‘यह 2014 से पहले वाला भारत नहीं है। यह नया भारत है। यह मोदी है, जो बहुत पहले सोचता भी है और समस्याओं के समाधान को समय रहते जमीन पर भी उतारता है।’ प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत में रेलवे के बिजलीकरण की शुरुआत वर्ष 1925 में हुई थी। यानी 1925 से लेकर 2014 तक करीब 90 वर्षों में देश के रेल नेटवर्क का केवल 30 प्रतिशत ही बिजलीकृत हो पाया था, जबकि 70 प्रतिशत हिस्सा अब भी डीजल इंजनों पर निर्भर था।

: झीफ बॉक्स :

12 साल के बच्चे को मगरमच्छ जिंदा खा गया

बहराइच में पैर जबड़े में दबाकर खींच ले गया, बच्चा तड़पता रहा...वाचा विल्लाते रह गए

बहराइच, एजेंसी। यूपी के बहराइच से रंगटे खड़े करने वाली घटना सामने आई है। यहां मगरमच्छ 12 साल के बच्चे को जिंदा खा गया। धान की रोपाईं करने के बाद बच्चा नदी में हाथ-पैर धोने गया था, तभी मगरमच्छ ने उस पर हमला कर दिया। उसे जबड़े में दबाकर लिया। बच्चे ने खुद को छुड़ाने के लिए हाथ-पैर मारे। उसके चाचा और ग्रामीणों ने भी ईट-पत्थर फेंककर उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन मगरमच्छ ने उसे छोड़ा नहीं। उसने दो-तीन बार बच्चे को उछलकर पानी में पटक़ा, फिर गहरे पानी में खींच ले गया। देखते ही देखते बच्चे के आधे शरीर को निगल लिया। 5 घंटे बाद ग्रामीणों ने बच्चे का शव बरामद किया। घटना गुरुवार शाम की है। लेकिन इसका वीडियो शुक्रवार सुबह सामने आया। थाना प्रभारी टीएन मौर्या ने घटना और वीडियो की पुष्टि की है। वन रेंजर साकिब अंसारी ने बताया- मगरमच्छ बच्चे का दाहिना पैर और कमर के नीचे का हिस्सा खा गया। मामला जिला मुख्यालय से 45 किमी दूर बोंडी थाना क्षेत्र का है।



ऐतिहासिक उड़ान: स्काईरूट का ‘विक्रम-1’ रचेगा इतिहास

आज लॉन्च होगा भारत का पहला प्राइवेट ऑर्बिटल रॉकेट

अमरावती, एजेंसी। भारत के अंतरिक्ष इतिहास में अब एक नया अध्याय जुड़ने जा रहा है। इसके तहत हैदराबाद की प्राइवेट स्पेस स्टार्टअप कंपनी ‘स्काईरूट एयरोस्पेस’ के द्वारा डिजाइन और विकसित किया गया ऑर्बिटल-क्लास रॉकेट लॉन्च के लिए पूरी तरह तैयार है। इसका नाम ‘मिशन आगमन’ रखा गया है। इस मिशन के तहत यह ऐतिहासिक लॉन्च शनिवार सुबह 11:30 बजे आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र के पहले लॉन्च पैड से होगा। इस रॉकेट का नाम भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम के जनक डॉ. विक्रम साराभाई के सम्मान में ‘विक्रम-1’ रखा गया है। **विक्रम-1 की खासियत क्या-क्या?** बता दें कि विक्रम-1 की सबसे बड़ी खासियत इसका पूरी तरह से ‘कार्बन-कंपोजिट’ ढांचे से बना होना है।



इसी दिन काँकरोच पार्टी का संसद मार्च; डॉक्टर बोले- वांगचुक के ऑर्गन फेलियर का खतरा बढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के जंतर-मंतर पर सोनम वांगचुक को भूख हड़ताल का शुक्रवार को 20वां दिन है। उन्होंने कहा कि वह किसी भी कीमत पर 20 जुलाई तक जिंदा रहना चाहते हैं। वांगचुक ने 20 जुलाई को होने वाले काँकरोच जनता पार्टी के संसद मार्च में समर्थकों से बड़ी संख्या में जुटने की अपील की। उन्होंने कहा कि वे लोकतंत्र के मंदिर में अपनी बात

रखेंगे। वांगचुक ने कहा कि वह बाहर से कमजोर हैं, लेकिन अंदर से मजबूत हैं। उन्होंने मजाक में कहा कि अगर 20 जुलाई का मार्च सफल नहीं हुआ, तो वह भूत बनकर वापस आएंगे। डॉक्टरों ने कहा कि वांगचुक के ऑर्गन फेलियर का खतरा बढ़ गया है। दिल्ली हाईकोर्ट ने गुरुवार को केंद्र और दिल्ली सरकार को उनकी योजना मेडिकल जांच कराने के निर्देश दिए

ट्रम्प बोले: 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में धांधली हुई

चीन ने 22 करोड़ वोटर्स का डेटा चुराया, खुफिया एजेंसियों ने जानकारी छिपाई

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार को चुनाव सुरक्षा पर राष्ट्र को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने एक बार फिर दावा किया कि 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में धांधली हुई थी। ट्रम्प ने कहा कि उनकी सरकार चुनाव सुरक्षा से जुड़े दस्तावेज सार्वजनिक यानी डिक्लासिफाई कर रही है। व्हाइट हाउस की ओर से जारी इन दस्तावेजों के मुताबिक, चीन ने 2020 के चुनाव के दौरान 22 करोड़ अमेरिकी वोटर्स का डेटा चुराया था। ट्रम्प के अनुसार, 18 राज्यों का वोटर डेटा हैक या हासिल किया गया। ट्रम्प ने आरोप लगाया कि और दूसरी खुफिया एजेंसियों को इसकी जानकारी थी, लेकिन इसे राष्ट्रपति, कांग्रेस और जनता से छिपाया गया।



बंगाल के मुर्शिदाबाद में ट्रेन की स्कूल वैन से टक्कर, 3 की मौत

कई गंभीर रूप से घायल, इलाज जारी

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में एक रेलवे क्रॉसिंग पर ट्रेन ने एक पूल कार (स्कूली गाड़ी) को टक्कर मार दी। अधिकारियों के मुताबिक, टक्कर में तीन लोगों की मौत हो गई है, जिनमें दो स्कूली छात्र शामिल हैं। गाड़ी रेलवे ट्रैक को पार करने की कोशिश कर रही थी। टक्कर में गाड़ी के परखच्चे उड़ गए। हादसे में गंभीर रूप से घायल तीन छात्रों और वैन के ड्राइवर को इलाज के लिए मुर्शिदाबाद मेडिकल कॉलेज और अस्पताल भेजा गया है। अस्पताल में भर्ती कराए गए लोगों में से कुछ की हालत बेहद

गंभीर बनी हुई है। एक पुलिस अधिकारी के अनुसार, जब एक्सप्रेस ट्रेन गुजरी तब रेलवे क्रॉसिंग बंद थी। लेकिन उसके तुरंत बाद गेट को खोल दिया गया, जबकि वहां से एक पैसेंजर ट्रेन भी गुजरने वाली थी। स्कूल वैन के ड्राइवर ने गेट खुला देखकर गाड़ी को पटरियों के पार ले जाने की कोशिश की। इसी दौरान एक साइकिल सवार भी पटरी पार करने लगा। तभी तेज रफ्तार में आ रही निमतिया-कटवा लोकल ट्रेन ने स्कूल वैन को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे गाड़ी के परखच्चे उड़ गए और बच्चे अंदर ही फंस गए।



पुरी रथयात्रा, तीनों रथ गुंडिचा मंदिर पहुंचे:

अब तीनों देवता 9 दिन मौसी के घर रहेंगे, दूसरे दिन 9 लाख श्रद्धालु जुटे

पुरी, एजेंसी। ओडिशा के पुरी में भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा के रथ शुक्रवार दोपहर गुंडिचा मंदिर पहुंच गए। अब तीनों देवता 9 दिन अपनी मौसी के घर रहेंगे। इसके साथ ही रथयात्रा पूरी हुई। इसके पहले रथयात्रा शुक्रवार सुबह दूसरे दिन शुरू हुई। वह बारिश और उमस के बीच 9 लाख श्रद्धालु फिर से रथ खींचने के लिए ग्रैंड रोड पर जुटे। गुरुवार को पाहंडी अनुष्ठान

में हुई देरी और अंधेरा होने के कारण तीनों रथ गुंडिचा मंदिर तक नहीं पहुंच सके थे। तीनों देवता रातभर अपने-अपने रथों पर ही विराजमान रहे। श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन के मुख्य प्रशासक अरविंद पाधी ने बताया कि सभी अनुष्ठान समय पर हुए, लेकिन भगवान जगन्नाथ की प्रतिमा मुख्य द्वार पर करीब 40 मिनट तक आगे नहीं बढ़ सकी। इसी वजह से पाहंडी अनुष्ठान एक घंटे से अधिक

देर से पूरा हुआ। उन्होंने बताया कि भगवान बलभद्र का तालध्वज रथ ग्रैंड रोड पर करीब 700 मीटर चलकर मार्केट चौक पर रुका। देवी सुभद्रा का दर्पदलन रथ लगभग 400 मीटर चलकर मरीचिकोट चौक तक पहुंचा। वहीं भगवान जगन्नाथ का नंदीघोष रथ कुछ ही दूरी तय कर मुख्य मंदिर के सिंहद्वार के पास रुक गया था।

मानसून सत्र 20 जुलाई से, सरकार 7 बिल लाएगी

बंदे मातरम के अपमान और विदेशी चंदे पर सख्ती की तैयारी, परिसीमन बिल का जिक्र नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। 120 जुलाई से शुरू होने वाले संसद के मानसून सत्र के लिए सरकार ने एजेंडा तय कर लिया है। न्यून एजेंसी PTI के मुताबिक, लोकसभा में 7 बिल पेश किए जाएंगे। इनमें बंदे मातरम के अपमान और विदेशी चंदा कानून में संशोधन से जुड़े विधेयक भी शामिल हैं। बिलों की अस्थायी सूची में अभी किसी भी संविधान संशोधन बिल जैसे परिसीमन या नगरी संशोधन का जिक्र नहीं है।



विदेश नीति जैसे मुद्दों पर सरकार को घेरने की तैयारी में हैं। **7 में से 2 बिल पुराने, 3 पहली बार पेश होंगे:** सात में से दो विधेयक फौन कंट्रोल (FCRA) और विकसित भारत शिक्षा अधिनियम पुराने हैं। विदेशी चंदे से जुड़े विधेयक 25 मार्च 2026 को

और शिक्षा अधिनियम विधेयक 15 दिसंबर 2025 को लोकसभा में पेश किया गया था। शिक्षा से जुड़े बिल को जॉइंट कमेटी के पास भेज दिया गया था। इनकम टैक्स बिल, 2026 और सुप्रीम कोर्ट में जज की संख्या बढ़ाने वाले बिल अध्यादेशों का स्थान लेंगे।

भोजशाला के पास नहीं मस्जिदों में ही जुमे की नमाज

प्रशासन को सुप्रीम कोर्ट का आदेश मिला; नमाज के लिए वैकल्पिक जगह को लेकर बैठक



धार, एजेंसी। भोजशाला मामले में सुप्रीम कोर्ट के 14 जुलाई के अंतरिम विस्तृत आदेश धार जिला प्रशासन को मिल गए हैं। हालांकि मुस्लिम समाज ने जुमे की नमाज धरो और मस्जिदों में ही अदा की। आदेश मिलने के बाद कलेक्ट्रेट में कलेक्टर राजीव रंजन मीना और पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा की मौजूदगी में प्रशासन की अहम बैठक हुई। बैठक में सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुरूप प्रशासनिक और सुरक्षा

व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई तथा भोजशाला के पास खुले वैकल्पिक स्थान पर जुमे की नमाज की व्यवस्था को लेकर चर्चा हुई। इसके बाद कलेक्टर और एसपी की मौजूदगी में मुस्लिम समाज के वरिष्ठ लोगों के साथ अलग बैठक आयोजित की गई। इसमें नमाज के लिए उपयुक्त स्थान तय करने पर चर्चा हुई। बैठक के बाद प्रशासन आगे की व्यवस्थाओं और फैसलों की जानकारी देगा।

आंध्र प्रदेश में कोरोना के 12 मामले, 4 मौत

जीनोम सीक्वेंसिंग के लिए पुणे भेजे गए सैंपल, पड़ोसी राज्य कर्नाटक में बरती जा रही सावधानी

अमरावती, एजेंसी। आंध्र प्रदेश में 26 जून से 16 जुलाई के बीच कोरोना संक्रमण के 12 मामले सामने आए हैं। इस दौरान 4 मरीजों की मौत भी हुई है। राज्य सरकार ने वायरस के वैरिएंट का पता लगाने के लिए 5 सैंपल नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी (NIV), पुणे भेजे हैं। उधर पड़ोसी राज्य कर्नाटक में भी सावधानियां बढ़ा दी गई हैं। आंध्र प्रदेश की स्वास्थ्य सचिव और कमिश्नर वीरा पांडियन के मुताबिक, जिन 4 मरीजों की मौत हुई, वे पहले से ही गंभीर बीमारियों जैसे हाइपरटेंशन, डायबिटीज और किडनी की समस्या से जूझ रहे थे। राज्य में अब तक कुल 339

कोरोना मामले सामने आए हैं, जिनमें से 12 आंध्र प्रदेश के हैं। आंकड़ों के अनुसार, कडपा में 8, गुंटूर में 2, विशाखापत्तनम और काकीनाडा में 1-1 मामला दर्ज किया गया है। स्वास्थ्य विभाग ने स्पष्ट किया है कि ये मामले अलग-अलग इलाकों से हैं और कहीं भी क्लस्टर नहीं बना है। फिलहाल 3 मरीज होम आइसोलेशन में हैं और 2 अस्पताल में भर्ती हैं, जबकि 3 लोग ठीक होकर डिस्चार्ज हो चुके हैं। विशाखापत्तनम के KGM अस्पताल की सुपरिटेण्डेंट डॉ. वाणी ने बताया कि वहां एक मरीज में कोरोना की पुष्टि हुई है। लक्षण दिखने पर डॉक्टर ने उसे टेस्ट की सलाह दी थी।



निजी लैब में पृष्टि के बाद KGM अस्पताल में भी दोबारा जांच की गई, जिसमें रिपोर्ट पॉजिटिव आई। प्रशासन की अपील- घबराएं नहीं आंध्र प्रदेश की स्वास्थ्य सचिव वीरा पांडियन ने लोगों से अपील की है कि वे घबराएं नहीं, सावधानी बरतें। उन्होंने

कहा कि राजधानी के अस्पतालों और स्वास्थ्य कर्मियों को अलर्ट पर रखा गया है। देशभर में 1 जुलाई से अब तक 339 कोरोना मामले दर्ज किए गए हैं। **पड़ोसी राज्य कर्नाटक में भी सावधानी बरती जा रही** कोराना के नए मामलों को देखते हुए आंध्र प्रदेश के पड़ोसी राज्य कर्नाटक में भी सावधानी बरती जा रही है। तुमकुरु जिले की डिप्टी कमिश्नर शुभा कल्याण ने कहा, ‘आंध्र प्रदेश में कोविड-19 के मामले सामने आए हैं। हमारे तुमकुरु जिले की कुछ तहसीलें, जैसे पावागड़ा, आंध्र प्रदेश की सीमा से लगी हुई हैं।

सीएम शुभेंद्रु ने इस्कॉन की भव्य रथयात्रा का किया शुभारंभ; ख्रींची पवित्र रथ की रस्सी

कोलकाता, एजेंसी। कोलकाता के अल्बर्ट रोड स्थित इस्कॉन मंदिर में गुरुवार को ऐतिहासिक 55वें वार्षिक रथयात्रा महोत्सव की शुरुआत बेहद भव्य तरीके से हुई। बंगाल में हुए सत्ता परिवर्तन के बाद मुख्यमंत्री शुभेंद्रु अधिकारी इस पावन उत्सव का औपचारिक उद्घाटन करने के लिए विशेष रूप से उपस्थित हुए। बारिश और भक्तिमय माहौल के बीच पीले कुत्तों और सफेद धोती में पहुंचे मुख्यमंत्री ने न केवल राधामधव के विग्रह की महाआरती की, बल्कि पारंपरिक ‘छेडा पहनरा’ (सोने की झाड़ू से रथ के मार्ग की सफाई) की रस्म अदा कर भगवान जगन्नाथ के रथ की रस्सी खींचकर कोलकाता में इस्कान की वार्षिक रथयात्रा का शुभारंभ किया। राज्य में भाजपा की सरकार बनने के बाद यह पहला अवसर है, जब शुभेंद्रु ने इसका शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने साध्वन प्रणाम कर राज्य की खुशहाली की कामना की और भक्तिभाव में डूबकर गौड़ीय संगीत की दो पंक्तियां भी



गाईं। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर इस्कान के संस्थापक श्रील प्रभुपाद के कक्ष को ‘हेरिटेज’ घोषित करने के लिए केंद्र सरकार से आवेदन करने की भी घोषणा की।

धार्मिक मंच से प्रशासनिक सुधार और शुचिता का संकल्प: इस पावन और धार्मिक मंच से मुख्यमंत्री ने राज्य में ‘मिड-डे मील योजना’ में किए गए बदलाव के बाद जारी विवाद पर भी सरकार का रुख स्पष्ट किया। स्कूलों में

बच्चों को भोजन वितरण की जिम्मेदारी इस्कान को सौंपने के फैसले का पुरजोर समर्थन करते हुए उन्होंने पूर्ववर्ती तुणमूल कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में हुए कथित भ्रष्टाचार पर तीखा हमला बोला। मुख्यमंत्री ने कड़े शब्दों में कहा कि बीते वर्षों में बंगाल में मिड-डे मील को लेकर जो कुछ भी हुआ, वह दुर्भाग्यपूर्ण था। मासूम बच्चों के भोजन में हेराफेरी करना महापाप है। हमारी सरकार में भ्रष्टाचार की कोई जगह नहीं होगी।

मिड डे मील से अंडा हटाने पर छिड़े विवाद का दिया सीधा जवाब: सरकारी स्कूलों में एक अगस्त से लागू होने जा रही मिड डे मील की नई व्यवस्था और इस्कान के पूर्णतः शाकाहारी नियमों के कारण भोजन सूची से अंडा हटाए जाने पर विशेषज्ञों द्वारा उठाए जा रहे सवालों का मुख्यमंत्री ने

बेबाकी से जवाब दिया। उन्होंने कहा कि मिड-डे मील का लक्ष्य केवल पेट भरना नहीं, बल्कि पोषण सुनिश्चित करना है। सरकारी स्कूलों में आने वाले बच्चे ज्यादातर आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों से हैं, इसलिए उन तक स्वच्छ, पवित्र और प्ष्टिकर भोजन पहुंचाना सरकार की जिम्मेदारी है।

बंगाल के नव-निर्माण में आध्यात्मिक संस्थाओं का सहयोग

शुभेंद्रु ने इस दौरान एक बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि आगामी दिनों में मायापुर को ‘नोटोफाइड एरिया अथॉरिटी’ बनाया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि बंगाल के नव-निर्माण और सामाजिक कल्याण की राह में सरकार इस्कान, रामकृष्ण मठ और मिशन, तथा भारत सेवाश्रम संघ जैसी प्रतिष्ठित आध्यात्मिक और सामाजिक संस्थाओं को साथ लेकर चलेगी।

संस्कृति को बढ़ावा 60 रथयात्रा समितियों को तीन करोड़ का अनुदान

संस्कृति को आगे बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार ने इस वर्ष पहली बार बंगाल की कुल 60 पारंपरिक रथयात्रा समितियों को 5-5 लाख रुपये की वित्तीय सहायता (कुल तीन करोड़ रुपये) दी गई है। कोलकाता के बाद मुख्यमंत्री अपने गृह जिले पूर्व मैदिनीपुर के तमलुक और मेवेदा में आयोजित रथयात्रा कार्यक्रमों में भी शामिल हुए।

नवशा तो किसी यूनिवर्सिटी का पास नहीं, इमरान प्रतापगढ़ी ने पूछा- जौहर की तरह सभी पर चलेगा बुलडोजर

रामपुर , एजेंसी। यूपी के रामपुर में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव आजम खां की जौहर विश्वविद्यालय का नक्शा पास नहीं होने के कारण उसे ध्वस्त करने का आदेश दिया गया है। इसे लेकर प्रशासन के खिलाफ समाजवादी पार्टी ने मोर्चा खोला हुआ है। अब कांग्रेस के सांसद इमरान प्रतापगढ़ी ने इसे लेकर पूछा कि नक्शा तो किसी यूनिवर्सिटी का पास नहीं है। क्या जौहर यूनिवर्सिटी की तरह सभी पर बुलडोजर चलाया जाएगा इमरान ने कहा कि जब जौहर यूनिवर्सिटी का निर्माण हो रहा था तब वो क्षेत्र रामपुर डेवलपमेंट अथॉरिटी के दायरे में नहीं आता था, बाद में प्राधिकरण ने अपना दायरा बढ़ा कर लिया। अब रामपुर के डीएम

कह रहे हैं कि जौहर युनिवर्सिटी का नक्शा नहीं पास है तो गिराने का आदेश पारित कर दिया गया है। इमरान ने कहा कि नक्शा तो इस देश के ज्यादातर छरू ऑफिस का भी नहीं पास होगा तो क्या सब को जमींदोज कर दोगे? ऐसे बेतुके और तानाशाही वाले आदेश पारित करते हुए अधिकारियों को सोचना चाहिये कि ये भी किसी ऐसी ही यूनिवर्सिटी से पढ़कर आये होंगे, जहां का नक्शा नहीं पास होगा। इमरान ने जौहर यूनिवर्सिटी को लेकर कहा कि शिक्षा के इतने बड़े संस्थान को बचाने के लिये सच्चे समाज को आगे आना होगा वरना ये जालिम सरकारें कुछ भी महफूज नहीं रहने देंगी।

क्या है जौहर विश्वविद्यालय को लेकर

आदेश: रामपुर विकास प्राधिकरण ने आजम खां के ड्रीम प्रोजेक्ट मौलाना मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई करते हुए परिसर में बने 38 भवनों के ध्वंस्तोकरण का आदेश जारी किया है। प्राधिकरण ने इन भवनों को बिना मानचित्र स्वीकृत कराए निर्मित मानते हुए पूरी तरह अवैध घोषित किया है। गुरुवार को जौहर विश्वविद्यालय प्रबंधन को नोटिस भी तामिल करा दी गई। इसमें 15 दिन में खुद ध्वंस्तोकरण करने की चेतावनी दी गई है। कहा गया है कि खुद ध्वस्त नहीं करने पर रामपुर विकास प्राधिकरण ध्वंस्तोकरण करेगा और खर्च की वसूली भी की जाएगी।

जौहर विवि के कब्जे से

मुक्त हुआ 3.5 किमी का फोरलेन: इससे पहले करीब 13.50 करोड़ की लागत से बनी फोरलेन सड़क पर प्रशासन ने कब्जा ले लिया। पीडब्ल्यूडी प्रांतीय खंड के अधिकारियों ने जौहर विवि पहुंचकर आम रास्ता होने के बोर्ड लगवाए। 2003-04 में मुलायम सिंह के मुख्यमंत्री रहने के दौरान आजम खां ने जौहर विश्वविद्यालय के प्रस्तावित मानचित्र में मौजूद मुख्य द्वार से होते हुए लोक निर्माण विभाग से लगभग साढ़े तीन किमी लंबी सड़क का निर्माण करा लिया था। प्रदेश में दोबारा सपा सरकार बनने पर आजम खां ने विश्वविद्यालय का निर्माण पूरा करा लिया।

सड़क के ऊपर ढाँड़ेगी मेट्रो केशव पुरम से रोहिणी का सफर होगा आसान, दिल्ली को मिलने जा रहा एक और डबल डेकर फ्लाईओवर

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी में मेट्रो नेटवर्क कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए केशव पुरम से रोहिणी सेक्टर 34 के बीच 16.5 किलोमीटर लंबा कारिडोर बनाने का प्रस्ताव है। इसे डबल डेकर कारिडोर के रूप में विकसित करने की योजना है। इसके लिए दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) ने व्यवहार्यता अध्ययन कराने का निर्णय लिया है। मेट्रो के पांच (बी) चरण में केशव पुरम से रोहिणी सेक्टर तक मेट्रो कारिडोर का निर्माण किया जाना है। इसे मेट्रो व सड़क मार्ग के लिए एकीकृत डबल डेकर के रूप में विकसित करने के लिए छह में व्यवहार्यता अध्ययन पूरा किया जाएगा। इस पर 2.8 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसके लिए चयनित सलाहकार विस्तृत यातायात और परिवहन विकल्प, बनावट, इंजीनियरिंग चुनौती, परियोजना पर अनुमानित लागत सहित अन्य आवश्यक बिंदुओं पर अध्ययन करेगा। उसकी रिपोर्ट के आधार पर निर्णय लिया जाएगा।

संबंधित अधिकारियों का कहना है कि घनी आबादी वाले क्षेत्र में भूमि की कमी को ध्यान में रखकर डबल डेकर कारिडोर विकसित करने पर विचार किया जा रहा है। दिल्ली में पिक लाइन पर मजलिस पार्क-मौजपुर कॉरिडोर पर भजनपुरा-यमुना विहार खंड पर 1.4 किलोमीटर लंबा डबल डेकर फ्लाईओवर तैयार किया गया है। वहीं, एमबी रोड पर साकेत जी ब्लाक से पुल प्रह्लादपुर तक डबल डेकर एंलिवेटेड कारिडोर तैयार किया जा रहा है।

यूपी समेत 15 राज्यों में बारिश का अलर्ट, पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन की आशंका



लखनऊ, पटना, एजेंसी। देशभर में मानसून एक बार फिर सक्रिय हो गया है। मौसम विभाग ने आज देश के कई राज्यों में भारी बारिश की संभावना जताई है। पंजाब, हरियाणा और दिल्ली में भी आगामी दिनों में छिटपुट बारिश के साथ आकाश में बादल छाए रहने की संभावना है। विभाग के मुताबिक, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, बिहार, राजस्थान, गोवा, झारखंड, सिक्किम, असम, हिमाचल, उत्तराखंड, मेघालय, मणिपुर, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, नागालैंड, मिजोरम,

त्रिपुरा, गुजरात, मध्य महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ और अरुणाचल प्रदेश में बारिश होने की संभावना है। उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और इससे सटे उत्तर ओडिशा-पश्चिम बंगाल तट पर बने सुस्पष्ट निम्न दबाव क्षेत्र के प्रभाव से पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत के साथ-साथ पूर्वी उत्तर प्रदेश तथा पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में अगले सात दिनों के दौरान वर्षा गतिविधियां बढ़ने वाली हैं। कई जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, आज ओडिशा में कहीं-कहीं अत्यंत

भारी बारिश हो सकती है। इस सिस्टम के असर से बिहार, पूर्वी उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में भी बारिश बढ़ेगी। पंजाब, हरियाणा और दिल्ली में भी आगामी दिनों में छिटपुट बारिश के साथ आकाश में बादल छाए रहने की संभावना है। पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में भारी बारिश से नदियों में जल स्तर बढ़ सकता है और पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन की आशंका है। उत्तराखंड, हिमाचल और कश्मीर घाटी में लगातार बारिश से मौसम ठंडा रहेगा। दिल्ली, पंजाब और हरियाणा में उमस भरी गर्मी के बीच बीच-बीच में हल्की-मध्यम बारिश राहत दे सकती है। पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार में अगले एक सप्ताह तक मूसलाधार बारिश की संभावना है, जिससे जलभराव और निचले इलाकों में पानी जमा होने की आशंका बनी रहेगी। किसानों को अपनी फसलों की सुरक्षा के लिए सतर्क रहने की सलाह दी गई है। मौसम विभाग ने सभी प्रभावित राज्यों के प्रशासन को अलर्ट रहने और संभावित नुकसान से बचाव के लिए तैयार रहने के निर्देश दिए हैं। आम जनता को भारी बारिश वाले दिनों में अनावश्यक यात्रा से बचने और पहाड़ी क्षेत्रों में सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

हसीना का प्रत्यर्पण: बांग्लादेश को भारत के जवाब का इंतजार, क्या लौटते ही होगी गिरफ्तारी मंत्री ने कर दिया साफ

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश ने भारत से अपनी पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रत्यर्पण को लेकर जल्द सकारात्मक प्रतिक्रिया देने की उम्मीद जताई है। बांग्लादेश सरकार ने कहा कि वह भारत में मौजूद उन सभी आरोपियों की वापसी चाहता है, जो देश में सजा पा चुके हैं या गंभीर अदालती मुकदमों का सामना कर रहे हैं। 78 वर्षीय शेख हसीना पिछले साल अगस्त में हिंसक छत्र विरोध प्रदर्शनों के बाद अपनी सरकार गिरने पर अचानक भारत आ गई थीं। तब से वह भारत में ही रह रही हैं।

नवंबर में एक विशेष अदालत ने उन्हें मानवता के खिलाफ अपराधों के मामले में उनकी अनुपस्थिति में ही मौत की सजा सुनाई थी। शेख हसीना ने इन सभी अदालती

फैसलों और आपराधिक आरोपों को पूरी तरह राजनीति से प्रेरित बताते हुए खारिज किया है। हाल ही में शेख हसीना ने खुद ही दिसंबर तक स्वेच्छ से वतन वापसी की बात कही थी।

क्या शेख हसीना की वापसी पर होगी तुरंत गिरफ्तारी: बांग्लादेश की विदेश राज्य मंत्री शमा ओबेद इस्लाम ने इस संवेदनशील मामले पर सरकार का रुख पूरी तरह साफ कर दिया है।

ट्रंप का चलेगा चाबुक: अमेरिका में अवैध ट्रक चालकों को देश से निकालने की तैयारी, जानें भारत पर क्या पड़ेगा असर

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस सप्ताह अवैध अप्रवासी ट्रक चालकों पर व्यापक कार्रवाई की योजना की घोषणा की। उन्होंने कहा कि उनका प्रशासन अमेरिकी सड़कों पर अवैध रूप से काम करने वालों को हटा देगा। इसके साथ ही एक नई लाइसेंसिंग पहल के तहत उनकी जगह सैन्य दिग्वजों को नियुक्त करेगा। बुधवार को पेंसिल्वेनिया रक्षा और नवाचार शिखर सम्मेलन में बोलते हुए ट्रंप ने प्रस्तावित कार्रवाई को पेंसिल्वेनिया राज्य के पुलिस अधिकारी माइकल पहिरा की हाल ही में हुई मौत से जोड़ा, जिनके बारे में उन्होंने कहा कि उनकी हत्या एक अवैध अप्रवासी द्वारा वाणिज्यिक चालक लाइसेंस पर सेमी-ट्रक चलाने के कारण हुई थी।

राष्ट्रपति ट्रंप ने क्या आरोप लगाए : ट्रंप ने कहा, ‘आज मैं एक और महत्वपूर्ण घोषणा कर रहा हूं। मेरा प्रशासन जल्द ही उन अवैध ट्रक चालकों के खिलाफ ऐतिहासिक कार्रवाई करेगा जो बड़ी संख्या में लोगों की जान ले रहे हैं।’ उन्होंने आरोप लगाया कि बिना लाइसेंस वाले ड्राइवर साइन बोर्ड नहीं पढ़ सकते। इसके साथ ही कहा कि उनमें से कई नरेश या शराब के नशे में होते हैं, और उन्हें ये वाहन नहीं चलाने चाहिए।’

‘हम उन्हें नहीं चाहते: ट्रंप ने कहा, ‘वे अवैध रूप से आए हैं और हम उन्हें नहीं चाहते। लेकिन वे अमेरिकी सड़कों पर हर जगह गाड़ी चला रहे हैं, और हम उनकी जगह गतिव अमेरिकी दिग्वजों को तैनात



करेंगे।’ गौरतलब है कि अमेरिकी ट्रक उद्योग में ड्राइवरों और मालिकों दोनों के रूप में सिल्वे का दबाव है। इनमें से अधिकांश अमेरिकी नागरिक, स्थायी निवासी या अधिकृत कर्मचारी के रूप में कानूनी रूप से कार्यरत हैं। ऐसी अफवाहें हैं कि बड़ी संख्या में सिख ड्राइवर अवैध रूप से गाड़ी चला रहे हैं, लेकिन यह सच नहीं भी हो सकता है।

अप्रवासियों की ड्राइविंग लाइसेंस कैसे जारी होती है: वाहन चलाने के लिए वाणिज्यिक ड्राइविंग लाइसेंस की आवश्यकता होती है, जो राज्य सरकारों की ओर से जारी किया जाता है। कुछ मामलों में, अदालत में पेश होकर राजनीतिक शरण मांगने वाले अवैध अप्रवासियों को अस्थायी आधिकारिक कार्य परमिट जारी किए जाते हैं। इसके बाद ही उन्हें वाणिज्यिक ड्राइविंग लाइसेंस जारी किया जाता है, जो कठोर ड्राइविंग परीक्षा के बाद ही मिलता है।

ट्रंप प्रशासन परिवहन नौकरियों के लिए किसको मान्यता देगा: ट्रंप ने कहा कि प्रशासन विभागिक ट्रक परिवहन नौकरियों के लिए सैन्य अनुभव को मान्यता देगा। उन्होंने कहा, ‘हम अपने पूर्व सैनिकों को लेंगे। उन्हें ट्रक चलाना सिखाएंगे। कई मामलों में वे जानते भी हैं। हम यह कहेंगे कि कोई भी अमेरिकी जिसने हमारी सेना के लिए भारी ट्रक चलाया है, वह स्वतः ही वाणिज्यिक चालक लाइसेंस के लिए पात्र होगा।’ राष्ट्रपति ने इस प्रस्ताव को सार्वजनिक सुरक्षा उपाय और पूर्व सैन्य कर्मियों के लिए रोजगार पहल दोनों के रूप में प्रस्तुत किया।

भारतीयों पर असर पड़ेगा: बता दें कि इस कदम से अमेरिका में रहने वाले भारतीय प्रवासियों पर असर पड़ने की संभावना है। द इंडियन एक्सप्रेस की नॉर्थ अमेरिकन पंजाबी ट्रकर्स एसोसिएशन के आकड़ों के अनुसार, अमेरिका में लगभग 130,000 से 150,000 ट्रक चालक सीधे पंजाब और हरियाणा से आते हैं।

इस साल ट्रंप ने कौन सी कानून लागू की : इस साल फरवरी में, ट्रंप ने दलीला कानून की घोषणा की, जिसके तहत अवैध अप्रवासियों को व्यावसायिक वाहन चालक लाइसेंस जारी करना बंद कर दिया गया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि किसी भी अप्रवासी को ट्रक और अन्य मालवाहक वाहन चलाने का लाइसेंस नहीं दिया जाएगा। यह कानून बेकसफील्ड की पांच वर्षीय दलीला के मामले पर

आधारित था, जो भारत से आए एक अवैध अप्रवासी प्रताप सिंह द्वारा किए गए कई कारों के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद घायल हो गई थी। उसके पिता के अनुसार, इस दुर्घटना के कारण बच्ची बोल नहीं पाती है और उसे चलना फिर से सीखना पड़ रहा है। गृह सुरक्षा विभाग के अनुसार, सिंह ने 20 जून, 2024 को असुरक्षित गति से गाड़ी चलाने और यातायात और निर्माण क्षेत्र में न रुकने के कारण कई कारों की टक्कर का कारण बना।

पिछले महीने कितने भारतीय ट्रक चालक की गिरफ्तारी हुई: पिछले महीने, देश में अवैध रूप से रह रहे कम से कम 30 भारतीयों को अमेरिकी सीमा गश्ती दल के एजेंटों ने गिरफ्तार किया था। अमेरिकी सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा विभाग ने बताया कि ये भारतीय उन 52 लोगों में शामिल थे जिन्हें एरिजोना के युमा सेक्टर के एजेंटों ने 11 से 15 मई के बीच गिरफ्तार किया था। अमेरिकी सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा ने बताया ‘इनमें से 30 व्यक्ति भारत से थे। बाकी छह मेक्सिको, अल सलवाडोर और रूस से थे। विज्ञप्ति में कहा गया है कि सभी व्यक्तियों पर संघीय कानून के अनुसार कार्रवाई की गई और उन्हें निर्वासित किया जाएगा। ये गिरफ्तारियां ‘ऑपरेशन चेकमेट’ के तहत की गईं, जो अमेरिकी सीमा शुल्क के अनुसार देश में अवैध रूप से रह रहे वाणिज्यिक मोटर वाहन चालकों का पता लगाने और उन्हें गिरफ्तार करने से संबंधित है।

देश की सबसे बड़ी जल सुरंग तैयार, 12 किमी की टनल से बुझेगी छह जिलों के खेतों की प्यास



कटनी, एजेंसी। देश की सबसे बड़ी जल सुरंग मध्य प्रदेश में तैयार हो गई है। महाकोशल अंचल के जबलपुर जिले से विन्ध्य अंचल तक नर्मदा के जल को खेतों में पहुंचाने के लिए कटनी जिले के स्लीमनाबाद में इसे तैयार किया गया है। नर्मदा की अमृतधारा को बिना पंप की सहायता से प्राकृतिक बहाव के साथ सोन बेसिन से जोड़ने के लिए यह सेतु का कार्य करेगी। 12 किमी लंबी और 10.14 मीटर व्यास वाली इस सुरंग से महाकोशल-विन्ध्य के छह जिलों की दो लाख 45 हजार हेक्टेयर भूमि सिंचित होगी। बरगी व्यपवर्तन परियोजना के दाएं तट पर मुख्य नहर की इस टनल का कार्य करीब 15 साल चला। स्थानीय लोग बताते हैं कि परियोजना शुरू होने के समय पैदा हुए बच्चे बड़े हो गए। सुरंग के प्रवेश द्वार पर पहली शिफ्ट में काम करने वाले मजदूर बुजुर्ग हो गए। कुछ सहकर्मी इस सफलता को देखने के लिए जीवित नहीं रहे। मशीनें बदल गईं, ठेकेदार बदल गए, अधिकारी बदल गए पर पहाड़ के नीचे काम चलता रहा। अमेरिका और जर्मनी की मशीनों से पहाड़ का सीना चीरने में कई बाधाएं भी आईं। कार्यपालन यंत्री सहज श्रीवास्तव के मुताबिक, सलैया फाटक से लेकर खिरहनी गांव तक पहाड़ों के नीचे बनी सुरंग देश की सबसे बड़ी जल सुरंग है। टनल का काम पूरा होने के साथ ही साफ्ट तक मशीन पहुंच गई है और अब उसकी बाहर निकालने का कार्य शुरू किया जा रहा है।

अनेक बाधाओं के बाद मिली सफलता: परियोजना को 799 करोड़ रुपये की लागत से वर्ष 2008 में स्वीकृति प्रदान की गई थी। स्लीमनाबाद में इस अंडग्राउंड टनल का कार्य 2011 में प्रारंभ होकर 40 माह में पूरा होना था। लगातार बाधाओं के कारण काम लेट होता गया। मशीनों के कटर टूटने, पानी का बहाव अधिक होने, मिट्टी के धंसने के साथ सलैया फाटक के पास रेलवे लाइन के नीचे से टनल निकालने में स्वीकृति मिलने में छह-छह माह का समय लगा और इस दौरान काम बंद रखना पड़ा। 2022 में मशीन का कटर सुधारने के लिए उसे बाहर निकालने के दौरान बनाए गए सॉफ्ट के धंसने से नौ मजदूर भी उसमें दब गए थे और दो की मौत हो गई थी। देरी के साथ ही योजना की लागत बढ़कर 1600 करोड़ रुपये पहुंच गई। कटनी का 21 हजार 823 हेक्टेयर, मेहर का 54 हजार 227 हेक्टेयर, सतना का एक लाख चार हजार 970 हेक्टेयर, पन्ना का 448 हेक्टेयर और रीवा का तीन हजार 84 हेक्टेयर क्षेत्र सीधे लाभान्वित होगा।जबलपुर जिले की भी लगभग 60 हजार हेक्टेयर भूमि सिंचित होगी। छह जिलों के 1450 गावों को इससे लाभ मिलेगा। अक्टूबर माह से नर्मदा का जल विन्ध्य तक पहुंचाने की योजना है।

भुईंमाड़, खाम्ह, मौरा और व्यवहारखाड़ में लगेंगे अंत्योदय स्वास्थ्य शिविर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ बनाने और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ आमजन तक पहुंचाने के उद्देश्य से सीधी जिले में 18 जुलाई 2026 (शनिवार) को चार स्थानों पर अंत्योदय स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएंगे इन शिविरों में नागरिकों को स्वास्थ्य परीक्षण, उपचार, आयुष्मान कार्ड निर्माण सहित पशुपालन से जुड़ी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। इस बार शिविरों में पशुपालन विभाग भी सक्रिय रूप से शामिल होगा पशुपालक अपने पशुओं का स्वास्थ्य परीक्षण, उपचार और पशुपालन संबंधी तकनीकी सलाह विभागीय विशेषज्ञों से प्राप्त कर सकेंगे इससे ग्रामीण क्षेत्रों में पशु स्वास्थ्य सेवाओं को भी मजबूती मिलेगी।

चार स्थानों पर आयोजित होंगे शिविर: मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह सोलंकी ने बताया कि जिले के चार विधानसभा क्षेत्रों में शिविर आयोजित किए जाएंगे धौनही विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत

भुईंमाड़, सीधी विधानसभा क्षेत्र के खाम्ह, चुरहट विधानसभा क्षेत्र के मौरा तथा सिहावल विधानसभा क्षेत्र के व्यवहारखाड़ में सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक शिविर लगाए जाएंगे।

इन शिविरों में ग्रामीण नागरिकों को विभिन्न विभागों की सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जाएंगी, जिससे उन्हें अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे ।

कई विभागों की संयुक्त भागीदारी: अंत्योदय स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, सामाजिक न्याय विभाग, आयुष विभाग और पशुपालन विभाग के संयुक्त सहयोग से किया जाएगा शिविरों के सुचारू संचालन के लिए संबंधित सीडीपीओ और बीएमओ को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा नागरिकों का स्वास्थ्य परीक्षण किया जाएगा और आवश्यकतानुसार उपचार एवं परामर्श दिया जाएगा वहीं आयुष विभाग द्वारा भी स्वास्थ्य संबंधी सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

अवैध खनन पर सख्ती की तैयारी, जिला स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक 20 जुलाई को

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण पर प्रभावी नियंत्रण लगाने के लिए जिला स्तरीय टास्क फोर्स समिति की महत्वपूर्ण बैठक 20 जुलाई 2026 को आयोजित की जाएगी बैठक दोपहर 12 बजे जिला पंचायत सभाकक्ष में होगी, जिसमें जिले में अवैध खनन रोकने के लिए किए जा रहे प्रयासों और आगामी रणनीति पर चर्चा की जाएगी बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा अवैध उत्खनन, परिवहन और खनिजों के अवैध भंडारण के खिलाफ की जा रही संयुक्त कार्रवाई की समीक्षा की जाएगी। अधिकारियों से अब तक की गई कार्रवाई, चिन्हित क्षेत्रों और भविष्य की कार्ययोजना की जानकारी ली जाएगी बैठक में सोन घड़ियाल अभ्यारण्य क्षेत्र में रेत के अवैध उत्खनन और परिवहन को रोकने के लिए किए जा रहे प्रयासों की भी विशेष रूप से समीक्षा की जाएगी अभ्यारण्य क्षेत्र पर्यावरणीय दृष्टि से संवेदनशील होने के कारण यहां अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण प्रशासन की प्राथमिकता में शामिल है। अधिकारियों द्वारा क्षेत्र में निगरानी व्यवस्था, जांच अभियान और अवैध गतिविधियों पर की गई कार्रवाई की जानकारी प्रस्तुत की जाएगी इसके साथ ही भविष्य में निगरानी को और प्रभावी बनाने के उपायों पर भी विचार किया जाएगा ।

‘युवा संगम’ 29 जुलाई को एक ही मंच पर मिलेंगे रोजगार, स्वरोजगार और अप्रेंटिसशिप के अवसर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के शिक्षित बेरोजगार युवा-युवतियों को रोजगार और स्वरोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में ‘युवा संगम’ (रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेला) का आयोजन 29 जुलाई 2026 को किया जाएगा यह एक दिवसीय मेला प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय स्वशासी संजय गांधी स्मृति स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय, सीधी परिसर में आयोजित होगा कार्यक्रम का समय सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक निर्धारित किया गया है जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग के निर्धारित कैलेंडर के अनुसार प्रत्येक माह के तीसरे मंगलवार को युवा संगम का आयोजन किया जाता है हालांकि जुलाई माह में कलेक्टर के निर्देशानुसार आयोजन की तिथि में बदलाव करते हुए इसे 29 जुलाई 2026 को निर्धारित किया गया है।

युवाओं को मिलेगा रोजगार से जुड़ने का अवसर: युवा संगम का मुख्य उद्देश्य जिले के बेरोजगार युवाओं को एक ही मंच पर रोजगार, स्वरोजगार और अप्रेंटिसशिप के अवसर उपलब्ध

करना है। इस मेले में निजी क्षेत्र की कंपनियां युवाओं का चयन करेंगी वहीं स्वरोजगार योजनाओं से संबंधित विभाग युवाओं को व्यवसाय शुरू करने और आर्थिक सहायता प्राप्त करने की जानकारी देंगे यह आयोजन जिला रोजगार कार्यालय, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) और जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र, सीधी के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है।

कई प्रतिष्ठित कंपनियां लेंगी भाग: युवा संगम में देश, प्रदेश और स्थानीय स्तर की कई प्रतिष्ठित निजी कंपनियां शामिल होंगी। इनमें एमआरएफ टायर (गोवा), फ्लिपकार्ट (सीधी), सीआईएमसीसी (इंदौर), टीसीआई (सिंगरौली), प्रगतिशील बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड (रीवा), टाय जेबीएम (गुजरात), एसआईएस सिक्कीरिट्टी (सिंगरौली), युनोमिडा ईवी सिस्टम (हरियाणा), विजन इंडिया (गोवा), अवसर प्राइवेट लिमिटेड (हरियाणा), टीएसपीएल (पुणे) और करियर पैकिट बॉटल (सीधी) जैसी कंपनियां शामिल होंगी। इन कंपनियों द्वारा विभिन्न पदों के लिए युवाओं से संपर्क किया जाएगा और योग्यता के अनुसार रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे।

राष्ट्रीय मंच पर सीधी के जल संरक्षण मॉडल की गूंज, वॉटर सीरीज़ वेबिनार में नासिक के साथ साझा किए नवाचार, महिलाओं की आजीविका और जनभागीदारी बनी मिसाल



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश के सीधी जिले में जल संरक्षण को लेकर किए जा रहे नवाचारों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है “कैच द रेन” अभियान के अंतर्गत आयोजित वॉटर सीरीज़ वेबिनार के 55वें संस्करण में सीधी और महाराष्ट्र के नासिक जिले ने अपने सफल जल संरक्षण मॉडल और नवाचारों को देशभर के विशेषज्ञों और प्रशासनिक अधिकारियों के सामने प्रस्तुत किया वेबिनार में सीधी जिले की ओर से कलेक्टर विकास मिश्रा ने जल संवर्धन के क्षेत्र में किए गए

कार्यों की जानकारी दी उन्होंने बताया कि जिले में जल संरक्षण को केवल प्राकृतिक संसाधनों को बचाने तक सीमित नहीं रखा गया बल्कि इसे महिलाओं की आजीविका, जनप्रतिनिधियों की भागीदारी और ग्रामीण समुदाय के सहयोग से एक व्यापक जनआंदोलन का रूप दिया गया है कलेक्टर ने कहा कि सामुदायिक सहभागिता पर आधारित इस मॉडल से न केवल जल स्तर में सुधार हुआ है बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिली है। जल संरक्षण कार्यों के कारण किसानों की

आय में वृद्धि हुई है और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर भी विकसित हुए हैं।

12 हजार से अधिक जल संरक्षण कार्यों से बढ़ी जल भंडारण क्षमता: वेबिनार में प्रस्तुत जानकारी के अनुसार, सीधी जिले में अब तक 12,983 जल संरक्षण कार्य पूर्ण किए जा चुके हैं इन कार्यों के परिणामस्वरूप जिले की जल भंडारण क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है पहले जल भंडारण क्षमता 1 करोड़ 35 लाख 73 हजार 874 घनमीटर थी, अब अब यह बढ़कर 1 करोड़ 80 लाख 56 हजार 486 घनमीटर हो गई है यानी जिले में 44 लाख 82

हजार 612 घनमीटर अतिरिक्त जल संग्रहण क्षमता विकसित की गई है इस अतिरिक्त जल उपलब्धता से लगभग 896 हेक्टेयर (करीब 2,215 एकड़) अतिरिक्त भूमि को सिंचाई सुविधा मिलने की संभावना है साथ ही उपलब्ध अतिरिक्त जल से लगभग एक लाख लोगों की दैनिक पेयजल आवश्यकता पूरी की जा सकती है।

नदी पुनर्जीवन अभियान से बढ़ती तस्वीर: सीधी जिले में नदी पुनर्जीवन अभियान के तहत सभी पांचों जनपद पंचायतों में एक-एक नदी का चयन कर जल संरक्षण के विभिन्न कार्य कराए गए हैं इनमें चेकडैम,



कृषि धन-धान्य योजना की समीक्षा कलेक्टर ने दिए पोर्टल अपडेट और कम वर्षा की स्थिति में वैकल्पिक कार्ययोजना तैयार रखने के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर विकास मिश्रा की अध्यक्षता में कृषि धन-धान्य योजना की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में योजना के विभिन्न इंडिकेटर्स, विभागवार प्रगति और आगामी कार्ययोजना को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। कलेक्टर ने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि वे निर्धारित लक्ष्यों के अनुसार कार्यों को गति दें और योजनाओं की प्रगति की जानकारी नियमित रूप से पोर्टल पर अपडेट करें ताकि योजनाओं की प्रभावी निगरानी और समीक्षा की जा सके बैठक में कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन, सहकारिता तथा मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन सहित अन्य संबंधित विभागों की योजनाओं की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने कहा कि कृषि धन-धान्य योजना का उद्देश्य किसानों की आय



बढ़ाना, कृषि उत्पादन को मजबूत करना और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बेहतर बनाना है इसके लिए सभी विभागों के बीच बेहतर तालमेल आवश्यक है कलेक्टर ने मौसम की परिस्थितियों को देखते हुए सभी विभागों को संभावित कम वर्षा की स्थिति से निपटने के लिए पहले से तैयारी करने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि यदि वर्षा सामान्य से कम होती है तो किसानों और ग्रामीण परिवारों की आजीविका प्रभावित न हो इसके लिए प्रत्येक विभाग अपनी वैकल्पिक कार्ययोजना

(कंटीजेंसी प्लान) तैयार रखे। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि कृषि गतिविधियों, पशुपालन, उद्यानिकी और अन्य आजीविका आधारित योजनाओं में समय रहते आवश्यक कदम उठाए जाएं जिससे किसानों को किसी भी चुनौतीपूर्ण परिस्थिति में सहायता मिल सके। बैठक में कलेक्टर ने कृषि विभाग को किसानों के लिए वैकल्पिक फसलों, उन्नत कृषि तकनीकों और आवश्यक तकनीकी मार्गदर्शन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि मौसम आधारित कृषि सलाह किसानों तक समय पर पहुंचाई

जाए ताकि वे बेहतर निर्णय ले सकें। उद्यानिकी विभाग को बागवानी और फसल विविधीकरण को बढ़ावा देने के लिए कहा गया वहीं पशुपालन और मत्स्य पालन विभाग को किसानों की आय बढ़ाने वाले पूरक व्यवसायों को विस्तार देने के निर्देश दिए गए सहकारिता विभाग को किसानों को खाद, बीज और अन्य आवश्यक संसाधनों की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कहा गया मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन को ग्रामीण परिवारों के लिए आजीविका आधारित गतिविधियों को और मजबूत करने पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए कलेक्टर विकास मिश्रा ने कहा कि कृषि धन-धान्य योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए सभी विभागों को एकजुट होकर काम करना होगा।

चेक बाउंस मामलों के निपटारे के लिए 18 जुलाई को विशेष लोक अदालत

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। चेक बाउंस से जुड़े लंबित मामलों के त्वरित निराकरण के लिए सीधी जिला न्यायालय परिसर में 18 जुलाई 2026 (शनिवार) को विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (इस्फ़) और मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार आयोजित इस विशेष लोक अदालत में धारा 138 परक्राम्य लिखत अधिनियम (एनआई एक्ट) के अंतर्गत लंबित प्रकरणों का आपसी सहमति और समझौते के आधार पर निराकरण किया जाएगा। यह आयोजन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी प्रयाग लाल दिनकर के मार्गदर्शन में किया जा रहा है लोक अदालत का उद्देश्य न्यायालयों में लंबित मामलों का शीघ्र समाधान करना और पक्षकारों को लंबी

न्यायिक प्रक्रिया से राहत दिलाना है। विशेष लोक अदालत के लिए न्यायालय स्तर पर खंडपीठों का गठन किया गया है अपीलीय न्यायालय के लिए रविंद्र कुमार शर्मा, तृतीय जिला न्यायाधीश को खंडपीठ बनाई गई है जबकि विचारण न्यायालय के मामलों के लिए सोनू जैन, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी की खंडपीठ गठित की गई है इन खंडपीठों के माध्यम से चेक बाउंस से संबंधित मामलों में दोनों पक्षों के बीच सहमति बनाने का प्रयास किया जाएगा समझौते के आधार पर मामलों का भार भी कम होगा और पक्षकारों को शीघ्र न्याय मिल सकेगा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव मुकेश कुमार शिवहरे ने धारा 138 एनआई एक्ट से जुड़े सभी पक्षकारों से विशेष लोक अदालत में शामिल होकर अपने मामलों का समाधान कराने की अपील की है।

मामलों का निपटारा होने से न्यायालयों पर लंबित मामलों का भार भी कम होगा और पक्षकारों को शीघ्र न्याय मिल सकेगा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव मुकेश कुमार शिवहरे ने धारा 138 एनआई एक्ट से जुड़े सभी पक्षकारों से विशेष लोक अदालत में शामिल होकर अपने मामलों का समाधान कराने की अपील की है।

बाल श्रम, बाल विवाह और बाल तस्करी रोकने के लिए सख्त निर्देश

मऊगंज में जिला टास्क फोर्स की बैठक, कलेक्टर ने कहा- शिकायत मिलते ही करें तत्काल कार्रवाई



मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। जिले में बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा और उनके बेहतर भविष्य को सुनिश्चित

करने के उद्देश्य से जिला टास्क फोर्स समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर कार्यालय में आयोजित इस बैठक

की अध्यक्षता कलेक्टर संजय कुमार जैन ने की बैठक में बाल श्रम, बाल विवाह, बाल तस्करी और बच्चों के खिलाफ होने वाले अपराधों की रोकथाम को लेकर विभागवार कार्यों की समीक्षा की गई कलेक्टर ने बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए और किसी भी शिकायत या सूचना पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाए उन्होंने कहा कि बाल अपराधों की रोकथाम के लिए केवल कार्रवाई ही नहीं, बल्कि नियमित निगरानी, जनजागरूकता और विभागों के बीच बेहतर

समन्वय भी जरूरी है। कलेक्टर संजय कुमार जैन ने कहा कि बाल श्रम, बाल विवाह और बाल तस्करी जैसी सामाजिक बुराइयों के अधिकारों के उल्लंघन करती हैं इन्हें रोकने के लिए सभी विभागों को मिलकर काम करना होगा उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले में नियमित निरीक्षण अभियान चलाए जाएं और ऐसे स्थानों की पहचान की जाए जहां बच्चों के शोषण या उनके अधिकारों के उल्लंघन की संभावना हो सकती है उन्होंने कहा कि किसी भी माध्यम से शिकायत मिलने पर संबंधित विभाग बिना देरी किए कार्रवाई करें और

दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी प्रक्रिया अपनाई जाए।

मिश्रण वास्तव्य और चाइल्ड हेल्पलाइन की समीक्षा: बैठक में मिशन वास्तव्य, चाइल्ड हेल्पलाइन, किशोर न्याय अभिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन और बाल कल्याण समिति की गतिविधियों की विस्तार से समीक्षा की गई कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा कि जरूरतमंद और संवेदनशील बच्चों की पहचान कर उन्हें शासन की कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ जाए उन्होंने कहा कि ऐसे बच्चों को शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण और सामाजिक सुरक्षा का लाभ

जोड़ने पर भी विशेष ध्यान दिया गया है इसके तहत 211 तालाबों में मत्स्य पालन और 178 तालाबों में सिंचाड़ा उत्पादन कराया जा रहा है। इन गतिविधियों से स्थानीय समुदाय को आर्थिक लाभ मिल रहा है इस वर्ष इन योजनाओं से शासन को लगभग 34 लाख रुपये की आय प्राप्त हुई है जबकि मछुआ समूहों, स्व-सहायता समूहों और व्यक्तिगत मत्स्य पालकों को मिलानकर लगभग 80 लाख रुपये का प्रत्यक्ष आर्थिक लाभ मिला है इस मॉडल ने यह साबित किया है कि जल संरक्षण केवल पर्यावरण संरक्षण का माध्यम नहीं बल्कि ग्रामीण परिवारों की आय बढ़ाने का प्रभावी साधन भी बन सकता है। वेबिनार में सीधी जिले के हरित आजीविका मॉडल की भी जानकारी दी गई जिले में 18,600 फलदार पौधे तैयार किए गए हैं इन पौधों के माध्यम से भविष्य में लगभग 3.59 करोड़ रुपये की वार्षिक आय होने का अनुमान लगाया गया है।

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

एक ओर दुनिया से लौट रही हैं भारत की बेशर्मीमती पुगवस्तूए, दूसरी ओर राज्यों की लापरवाही से देश के भीतर ही असुरक्षित हैं हमारी ऐतिहासिक विरासत...

भारत इन दिनों अपनी सांस्कृतिक विरासत को लेकर दो बिल्कुल विपरीत धाराओं में चलता हुआ दिखाई दे रहा है। पहली तस्वीर गौरव से भर देने वाली है। दुनिया के बड़े-बड़े संग्रहालयों, निजी संग्रहों और नीलामी घरों में पहुंच चुकी भारत की सैकड़ों प्राचीन मूर्तियां, शिलालेख और कलाकृतियां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चलाए गए पुरा-संपदा वापसी अभियान के तहत

चोरी भी... वापसी भी! आखिर भारत की सांस्कृतिक धरोहरों का प्रहरी कौन?

एक-एक कर स्वदेश लौट रही हैं, तो दूसरी तस्वीर उतनी ही पीड़ादायक है। वस्तुतः देश के किलों, मंदिरों और संरक्षित स्मारकों से आज भी हमारी अमूल्य धरोहरें और मूर्तियां चोरी हो रही हैं। कई बार प्रशासन को इसकी भनक तक नहीं लगती, जब तक कि कोई इस बारे में ध्यान नहीं दिलाता है। सवाल यह है कि जब भारत विदेशों से अपनी खोई हुई विरासत वापस लाने में सफल हो रहा है, तब हम अपने ही घर की विरासत को सुरक्षित क्यों नहीं रख पा रहे? मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले के ऐतिहासिक ‘नरवर’ किले में

हुई घटना ने इस प्रश्न को और अधिक सोचनीय बना दिया है। करीब पांच सौ वर्ष पुरानी, तीन हजार किलोग्राम से अधिक वजनी अष्टधातु की ऐतिहासिक तोप रात के अंधेरे में हथियारबंद बदमाश क्रेन और ट्रक के सहारे उठाकर ले गए। 25 से 30 बदमाशों का गिरोह आया, सुरक्षा कर्मियों को आधुनिक हथियारों के दम पर धमकाया और सदियों पुरानी धरोहर लेकर चला

गया। यह किसी फिल्म की पटकथा नहीं, बल्कि भारत की विरासत सुरक्षा व्यवस्था की वास्तविक तस्वीर है। सबसे अधिक चिंता की बात इस तोप चोरी प्रकरण में यह है कि घटना से पहले संदिग्ध गतिविधियों की सूचना स्थानीय लोगों ने दी थी। सुरक्षा बड़ाने की मांग भी हुई थी, किंतु जिम्मेदार तंत्र ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। जिस किले में करोड़ों रुपये मूल्य की ऐतिहासिक धरोहर रखी हो, वहां न पर्याप्त रोजनी, न

आधुनिक निगरानी व्यवस्था और न प्रशिक्षित सुरक्षा बल! आखिर ऐसी लापरवाही की कीमत कौन चुका रहा है? इतिहास तो पहले ही चुका रहा है, देश के सामने अनेक मसले हैं जो ऐतिहासिक भूल के कारण आज भी भारत के समक्ष नासूर बने हुए हैं! ऐसे में यह घटना सोचने पर विवश कर रही है कि नरवर ही क्यों पिछले कई दशकों से देश के अनेक राज्य अंतरराष्ट्रीय पुरावस्तु तस्करों के लिए आसान निशाना क्यों बने हुए हैं! भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के आंकड़े बताते हैं कि उसके संरक्षित स्मारकों से ही 480 से अधिक

महत्वपूर्ण पुरावशेष गायब हो चुके हैं। सबसे अधिक प्रभावित राज्यों में मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश शामिल हैं। तमिलनाडु के चोलकालीन मंदिरों से लेकर बिहार के नालंदा संग्रहालय, कनटक के होयसल मंदिरों, आंध्र प्रदेश के प्राचीन मंदिरों और हिमालयी क्षेत्रों के दुर्लभ देवस्थानों तक, शायद ही कोई ऐसा क्षेत्र बचा हो जहां तस्करों ने अपनी पहुंच न बनाई हो। खजुराहो की दुर्लभ मूर्तियां हों, तंजावुर के मंदिरों की कांश्य नटराज प्रतिमाएं, चंद्रकेतुगढ़ की मौर्यकालीन टेराकोटा कलाकृतियां या मथुरा की कुषाणकालीन प्रतिमाएं, आज भी भारत की हजारों अमूल्य धरोहरें वर्षों तक फर्जी दस्तावेजों के सहारे विदेशों के संग्रहालयों और निजी संग्रहों तक पहुंचती रही हैं।

रंगभेद की जंजीर तोड़ने वाला अमर योद्धा

योगेश कुमार गोयल

नेल्सन मंडेला- एक ऐसा नाम, जो समस्त विश्व समुदाय के लिए मानवता, साहस, सहिष्णुता और संघर्ष का प्रतीक बन गया है। प्रतिवर्ष 18 जुलाई को ‘नेल्सन मंडेला अंतरराष्ट्रीय दिवस’ मनाया जाता है, जो न केवल इस महान नेता को श्रद्धांजलि देने का दिन है बल्कि यह पूरी दुनिया की यह संदेश भी देता है कि परिवर्तन लाने के लिए केवल शब्द नहीं बल्कि कर्म आवश्यक हैं। यह दिन हमें स्मरण कराता है कि समाज में बदलाव लाने के लिए हम सभी की भूमिका होती है और प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में दूसरों के लिए कुछ कर सकता है। नेल्सन मंडेला का जन्म 18 जुलाई 1918 को दक्षिण अफ्रीका के म्बेजेओ नामक गांव में हुआ था। वे थेम्बू कुल की एक शाखा मदिवा जनजाति से थे और उनका मूल नाम ‘रोहिलाहला मंडेला’ था, जिसका अर्थ होता है शराती। उन्हें ‘नेल्सन’ नाम उनके स्कूल शिक्षक ने अंग्रेजी नामों की परंपरा के तहत दिया। उनका जीवन एक सामान्य अफ्रीकी बच्चे की तरह शुरू हुआ लेकिन उनके भीतर असाधारण नेतृत्व क्षमता और अन्याय के प्रति गहरी संवेदना थी, जिसने उन्हें बाद में एक क्रांतिकारी नेता बना दिया। नेल्सन मंडेला की शिक्षा की शुरुआत कलाकंबरी मिशनरी स्कूल से हुई। आगे की पढ़ाई के लिए उन्होंने फोर्ट हेयर यूनिवर्सिटी और जोहान्सबर्ग स्थित विटवाटरस्लैंड विस्वाविद्यालय में दाखिला लिया, जहां उन्होंने कानून की पढ़ाई की। पढ़ाई के दौरान ही उन्होंने रंगभेद नीति और सामाजिक असमानताओं के विरुद्ध आवाज उठानी शुरू कर दी थी। दक्षिण अफ्रीका में उस समय श्वेत अल्पसंख्यक सरकार द्वारा ‘अपरथाइड’ नामक नस्लीय भेदभाव की कूट नीति लागू थी, जिसके अंतर्गत अश्वेतों को बुनियादी अधिकारों से वंचित रखा गया था। उन्हें वोट देने, जमीन रखने, शिक्षा प्राप्त करने, अस्पतालों में इलाज करवाने और बसों-रेस्तरां जैसी सार्वजनिक सेवाओं का समान उपयोग करने का अधिकार नहीं था। मंडेला ने इन्हीं नीतियों के खिलाफ संघर्ष का बिगुल बजाया। वे 1944 में अफ्रीकन नेशनल कांग्रेस से जुड़ गए और जल्द ही संगठन के युवा विंग के संस्थापक बन गए। अहिंसा और शांतिपूर्ण आंदोलनों के जरिये उन्होंने सरकार पर दबाव बनाना शुरू किया लेकिन जब उन्हें लगा कि सरकार की दमनकारी नीति अहिंसात्मक विरोध को कुचलने पर आमादा है तो उन्होंने ‘उमखोंते वे सिजवे’ नामक एक सशस्त्र संगठन की स्थापना की, जो दक्षिण अफ्रीका में क्रांति का आरंभ था। 1962 में मंडेला को गिरफ्तार कर लिया गया और उन पर देशद्रोह, हिंसा भड़काने और विदेशी सहायता प्राप्त करने के आरोप लगाए गए। उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई और उन्होंने अपना अधिकांश समय कृष्यात रोबेन द्वीप की जेल में बिताया। यह सजा कुल 27 वर्षों की लंबी यातना बन गई परंतु जेल की कोठरी में रहते हुए भी मंडेला की आत्मा आजाद रही। वे न टूटे, न झुके और न डरे। जेल में उन्होंने पढ़ाई की, दूसरे कैदियों को शिक्षित किया और अपना संघर्ष जारी रखा। इस दौरान दक्षिण अफ्रीका और दुनियाभर में मंडेला की रिहाई की मांग उठने लगी। अंततः सरकार झुकी और 11 फरवरी 1990 को नेल्सन मंडेला को जेल से रिहा किया गया। यह क्षण इतिहास में आज भी जीवंत है, जब एक अश्वेत नेता, जिसे वर्षों तक आतंकवादी करार दिया गया था, अब स्वतंत्रता और न्याय का प्रतीक बन चुका था। रिहाई के बाद मंडेला ने अपने सभी विरोधियों को माफ कर दिया। उन्होंने न केवल अफ्रीकन नेशनल कांग्रेस को फिर से संगठित किया बल्कि देश की भी एकजुट किया। उन्होंने विभाजन नहीं बल्कि मेल-मिलाप की राजनीति की। उनकी इसी दूरदृष्टि और अहिंसा के पथ पर अडिग रहने की प्रेरणा ने दक्षिण अफ्रीका को नस्लीय संघर्ष से निकासकर लोकतंत्र की ओर अप्रसर किया। दक्षिण अफ्रीका में 1994 में पहली बार बहुजातीय आम चुनाव आयोजित हुए, जिसमें हर नागरिक को मतदान का अधिकार मिला और परिणामस्वरूप नेल्सन मंडेला देश के पहले अश्वेत राष्ट्रपति बने। यह महज एक राजनीतिक जीत नहीं थी, यह एक युग परिवर्तन था। मंडेला ने अपने राष्ट्रपतिकाल में सुलह, सामाजिक समरसता और आर्थिक पुर्नर्निर्माण की नीति को अपनाया। उन्होंने जातीय द्वेष के बजाय सहयोग को बढ़ावा दिया।

मनोज कुमार मिश्र

अस्सी के दशक के आखिर में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के किसानों का कम पड़े-लिखे और खांटी किसान चौधरी महेन्द्र सिंह टिकैत की अगुवाई में भारतीय किसान यूनियन के नाम से अराजनैतिक एक ऐसा आंदोलन खड़ा हुआ जिससे लखनऊ और दिल्ली की सरकारें हिल गईं। विभिन्न कारणों से वह आंदोलन कुछ सालों में कमजोर होकर दम तोड़ दिया। जिन सवालों पर वह आंदोलन शुरू हुआ और उसे भारी समर्थन मिला, वे सवाल आज भी वहीं खड़े हैं। केन्द्र की नरेन्द्र मोदी की अगुवाई वाली सरकार ने अपने शासन के 12 साल में समाज के हर वर्ग के साथ गांव और किसान को आत्मनिर्भर बनाने के हर प्रयास किए हैं। किसान हित में 2021 में तैयार किए तीन कानून विपक्ष के सुनियोजित विरोध के चलते भारी बहुमत होते हुए किसान हित में वापस लिया। इतना ही नहीं हर साल इसमें नई योजनाओं को शामिल करके और बेहतर काम किए जा रहे हैं। चौधरी टिकैत अपने आंदोलन को अराजनैतिक मानते हुए भी पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को अपना आदर्श मानते थे। आंदोलन के दौरान कुछ बातें दोहराते रहते थे। उसका उल्लेख जरूरी है। वे कहते थे कि किसान अकेली ऐसी कौम है जो ज्यादा उत्पादन करके भी रोती है और कम उत्पादन करके भी। कम उत्पादन में लागत नहीं निकली और ज्यादा उत्पादन में सही दाम नहीं मिलता। उसी तरह हर उत्पादन करने वाला अपने उत्पाद का दाम ख़ुद तय करता है लेकिन किसान के दाम को वे तय करते हैं, जिन्होंने जीवन में कभी खेती की नहीं। वे चौधरी चरण सिंह के मुख्यमंत्री रहते यानी 1967 में जितने गेहूँ या गन्ना में जितना सोना मिलता था, उससे थोड़ा कम दाम तय करने की मांग करते रहे। किसानों की माली हालत सुधारने का यह एक फार्मूला तो यह हो सकता है लेकिन पूरा समाधान इससे भी नहीं हो सकता है। अब हालात बदल गए हैं। सरकार ने गांवों को समृध बनाने के लिए देश के सालाना बजट में भारी बढ़ोतरी की। 2014 में भाजपा की अगुवाई वाली सरकार केन्द्र में आने से पहले कृषि का बजट 27,663 करोड़ रुपये था, अब वह बढ़कर 1 लाख 40 हजार करोड़ हो चुका है। आज भी देश के 81 करोड़ लोगों को हर महीने फ्री अनाज दिया जा रहा है। सरकार के प्रयास से 58 करोड़ जन-घन ख़ाला खुला है। चार करोड़ पक्के मकान बने। 12 करोड़ शौचालय बने। 16 करोड़ घरों में नल से जल दिया गया। 11 करोड़ लोगों को रसोई गैस कनेक्शन दिए गए। किसान सम्मान निधि के तहत 4.3 लाख करोड़ रुपये दिए गए। 22 फसलों के समर्थन मूल्य में 71 फीसदी की बढ़ोतरी की गई। महात्मा गांधी ग्रामीण रोजगार योजना(मनरेगा) अब वीबी जीरामजी योजना बन गई है। उस योजना में 26 करोड़ लोग पंजीकृत हैं, जिन्हें 125 दिन का



रोजगार दिया जाता है। हर तरह के उत्पादन में बढ़ोतरी हुई है। यूरिया पर 90 फीसदी सब्सिडी दी गई है। फसल बीमा योजना लागू की गई है। किसानों को आसानी से कर्ज दिलवाने की व्यवस्था की गई है। सिंचाई के साधन बढ़े हैं। किसानों और गांवों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सरकारी योजनाओं को अराजनैतिक मानते हुए भी पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को अपना आदर्श मानते थे। आंदोलन के दौरान कुछ बातें दोहराते रहते थे। उसका उल्लेख जरूरी है। वे कहते थे कि किसान अकेली ऐसी कौम है जो ज्यादा उत्पादन करके भी रोती है और कम उत्पादन करके भी। कम उत्पादन में लागत नहीं निकली और ज्यादा उत्पादन में सही दाम नहीं मिलता। उसी तरह हर उत्पादन करने वाला अपने उत्पाद का दाम ख़ुद तय करता है लेकिन किसान के दाम को वे तय करते हैं, जिन्होंने जीवन में कभी खेती की नहीं। वे चौधरी चरण सिंह के मुख्यमंत्री रहते यानी 1967 में जितने गेहूँ या गन्ना में जितना सोना मिलता था, उससे थोड़ा कम दाम तय करने की मांग करते रहे। किसानों की माली हालत सुधारने का यह एक फार्मूला तो यह हो सकता है लेकिन पूरा समाधान इससे भी नहीं हो सकता है। अब हालात बदल गए हैं। सरकार ने गांवों को समृध बनाने के लिए देश के सालाना बजट में भारी बढ़ोतरी की। 2014 में भाजपा की अगुवाई वाली सरकार केन्द्र में आने से पहले कृषि का बजट 27,663 करोड़ रुपये था, अब वह बढ़कर 1 लाख 40 हजार करोड़ हो चुका है। आज भी देश के 81 करोड़ लोगों को हर महीने फ्री अनाज दिया जा रहा है। सरकार के प्रयास से 58 करोड़ जन-घन ख़ाला खुला है। चार करोड़ पक्के मकान बने। 12 करोड़ शौचालय बने। 16 करोड़ घरों में नल से जल दिया गया। 11 करोड़ लोगों को रसोई गैस कनेक्शन दिए गए। किसान सम्मान निधि के तहत 4.3 लाख करोड़ रुपये दिए गए। 22 फसलों के समर्थन मूल्य में 71 फीसदी की बढ़ोतरी की गई। महात्मा गांधी ग्रामीण रोजगार योजना(मनरेगा) अब वीबी जीरामजी योजना बन गई है। उस योजना में 26 करोड़ लोग पंजीकृत हैं, जिन्हें 125 दिन का

रोजगार दिया जाता है। हर तरह के उत्पादन में बढ़ोतरी हुई है। यूरिया पर 90 फीसदी सब्सिडी दी गई है। फसल बीमा योजना लागू की गई है। किसानों को आसानी से कर्ज दिलवाने की व्यवस्था की गई है। सिंचाई के साधन बढ़े हैं। किसानों और गांवों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सरकारी योजनाओं को अराजनैतिक मानते हुए भी पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को अपना आदर्श मानते थे। आंदोलन के दौरान कुछ बातें दोहराते रहते थे। उसका उल्लेख जरूरी है। वे कहते थे कि किसान अकेली ऐसी कौम है जो ज्यादा उत्पादन करके भी रोती है और कम उत्पादन करके भी। कम उत्पादन में लागत नहीं निकली और ज्यादा उत्पादन में सही दाम नहीं मिलता। उसी तरह हर उत्पादन करने वाला अपने उत्पाद का दाम ख़ुद तय करता है लेकिन किसान के दाम को वे तय करते हैं, जिन्होंने जीवन में कभी खेती की नहीं। वे चौधरी चरण सिंह के मुख्यमंत्री रहते यानी 1967 में जितने गेहूँ या गन्ना में जितना सोना मिलता था, उससे थोड़ा कम दाम तय करने की मांग करते रहे। किसानों की माली हालत सुधारने का यह एक फार्मूला तो यह हो सकता है लेकिन पूरा समाधान इससे भी नहीं हो सकता है। अब हालात बदल गए हैं। सरकार ने गांवों को समृध बनाने के लिए देश के सालाना बजट में भारी बढ़ोतरी की। 2014 में भाजपा की अगुवाई वाली सरकार केन्द्र में आने से पहले कृषि का बजट 27,663 करोड़ रुपये था, अब वह बढ़कर 1 लाख 40 हजार करोड़ हो चुका है। आज भी देश के 81 करोड़ लोगों को हर महीने फ्री अनाज दिया जा रहा है। सरकार के प्रयास से 58 करोड़ जन-घन ख़ाला खुला है। चार करोड़ पक्के मकान बने। 12 करोड़ शौचालय बने। 16 करोड़ घरों में नल से जल दिया गया। 11 करोड़ लोगों को रसोई गैस कनेक्शन दिए गए। किसान सम्मान निधि के तहत 4.3 लाख करोड़ रुपये दिए गए। 22 फसलों के समर्थन मूल्य में 71 फीसदी की बढ़ोतरी की गई। महात्मा गांधी ग्रामीण रोजगार योजना(मनरेगा) अब वीबी जीरामजी योजना बन गई है। उस योजना में 26 करोड़ लोग पंजीकृत हैं, जिन्हें 125 दिन का

को केवल लाभ ही होगा। उनकी जमीन कोई नहीं ले सकता और मंडियां खत्म नहीं की जाएगी। फसलों को ख़ुले में बेचने की इजाजत दी जाएगी। देश में मंडी और उसमें सक्रिय आढ़तियों की व्यवस्था पंजाब और हरियाणा में ही सबसे मजबूत है। पंजाब से ही कुछ किसानों का जल्था दिल्ली की एक सीमा सिंधु बार्डर पर इन कृषि कानूनों को रद्द करवाने के लिए आंदोलन शुरू किया। उनके साथ हरियाणा के किसान भी जुड़े। फिर टिकरी बार्डर और गाजीपुर बार्डर में आंदोलन चलने लगा। कुछ ही दिनों में आंदोलन सरकार के खिलाफ विपक्षी दलों का सुनियोजित षडयंत्र बन गया।

11 दौर की बातचीत में समाधान नहीं निकला और सरकार को लगा कि उसे सुनियोजित तरीके से किसान विरोधी साबित करने का प्रयास किया जा रहा है। आखिरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बिलों को वापस लेने की घोषणा की और 2012 के संसद के शीतकालीन सत्र में उसे वापस ले लिया गया। एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) किसानों को दिलाने के लिए किसान संगठनों के साथ कमेटी बनाना तय किया गया। आंदोलन में शुरू से ही जमकर राजनीति होने लगी थी। इसलिए यह आंदोलन भी कामयाब न बन पाया। इस आंदोलन के तुरंत बाद उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में भाजपा लगातार दूसरी बार बहुमत में आ गई। यही हाल चौधरी महेन्द्र सिंह टिकैत की अगुवाई वाली भारतीय किसान यूनियन का हुआ था। वह तभी तक ताकतवर रहा जब तक वह सक्रिय राजनीति से दूर रहा और आंदोलन अहिंसक रहा। वह आंदोलन भी अन्य मुद्दों के अलावा किसानों पर से सीमित इलाके में फसल बेचने पर रोक के विरोध में था। वह आंदोलन तब तक सफल रहा जब तक केवल किसानों का रहा। जैसे ही राजनीतिक दल किसानों का समर्थन देने के लिए उन्हें अपने पक्ष में करने में लग गए, आंदोलन भटक गया। यहां तक कि चौधरी टिकैत का

कैंसर जैसी घातक बीमारी से 2011 में एक तरह से गुमनाम निधन हुआ। वास्तव में अन्य व्यवसाय करने वालीं तरह किसानों को ऊंची कीमत पर अपनी फसल बेचने की आजादी मिलनी ही चाहिए। यह संभव कब और कैसे होगा, इसका जवाब आसान नहीं है। बड़ी समस्या तो ढाई एकड़ से कम जोत वाले देश के 85 फीसद किसानों की है जिनका हर तरह से शोषण होता आया है। उनके पास अपने फसल को मंडी तक ले जाने के साधन नहीं हैं और न ही फसल को कुछ समय तक सुरक्षित रखने के लिए भंडारा। वे तो गांव से लेकर मंडी तक आढ़तियों या बिचौलियों के शोषण झेलने को मजबूर हैं। अगर चार-पांच किसान मिलकर किराए की गाड़ी से अपने उत्पाद मंडी में लेकर पहुंच भी जाएं तो वहां सक्रिय बिचौलियों को पता है कि वे विपन्न हैं उनके पास कुछ दिन इंतजार करने के साधन नहीं हैं, तो वे उन्हें किसी भी दाम पर अपने फसल को बेचने के लिए मजबूर कर देते हैं। इसका ही नहीं उन्हें अगली फसल के लिए पैसा की जरूरत है। उनके घर का हर काम उसी फसल की बिक्री पर निर्भर है। केन्द्र की सरकार इस हालात को बदलने के प्रयास में लगी है। इसीलिए स्वामीनाथन आयोग ने एमएसपी तय करने के लिए समग्र लागत से पचास फीसद जोड़कर दाम तय करने का सुझाव दिया। अभी कुल 23 उत्पादों के लिए ही न्यूनतम समर्थन मूल्य(एमएसपी) तय होता है। जबकि बड़ी तादाद में किसान फल, सब्जी, दूध, अंडा, मछली आदि डेयरी उत्पाद का उत्पादन करते हैं। इसलिए अब सरकार को एमएसपी में शामिल उत्पादों की संख्या बढ़ानी चाहिए। सबसे बड़ी जरूरत यह है कि यह गारंटी मिलनी चाहिए कि एमएसपी से कम दाम पर खरीदने वाले को सजा मिलेगी। केन्द्र सरकार यह दवा करती रही कि मंडी होता है। जबकि बड़ी तादाद में किसानों को सजा मिलती है। इसके साथ ही सरकार यह भी सुनिश्चित करें कि हर गांव-गांव खरीद केन्द्र काम करे। ताकि छोटे किसानों को अपने फसल के वाजिब दाम के लिए दर-दर की ठेकर नहीं खानी पड़े। सही मायने में सभी किसानों की आर्थिक हालत तभी सुधरेगी जब सरकार चौतरफा प्रयास करेगी। सरकार विभिन्न योजनाओं के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने का उपाय कर रही है लेकिन उसका पूरा लाभ किसानों को नहीं मिल रहा है। किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, किसान क्रेडिट कैंडि, बैंकों से सस्ते दर पर कर्ज मिलने की व्यवस्था, कृषि उत्पाद को देश के विभिन्न इलाकों में पहुंचाने के लिए विशेष रेलगाड़ी चलाने आदि तमाम ऐसी योजनाएं हैं जिन्हें छोटे किसानों को आमदनी बड़ा। कृषि उत्पाद से जुड़े लाभकारी उद्योगों को गांव-गांव तक पहुंचाने की है। सरकार प्रयास तो कर रही है लेकिन यह काम बड़ा ही चुनौतीपूर्ण है।

आत्मनिर्भर भारत से वैश्विक प्रौद्योगिकी नेतृत्व की ओर एक निर्णायक कदम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा मोबाइल फोन मैनुफैक्चरिंग स्कीम (स्क्रप्) को मंजूरी दिया जाना भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग के लिए एक ऐतिहासिक और दूरगामी महत्व का निर्णय है। 62,500 करोड़ रुपये के बजटीय प्रावधान वाली यह योजना केवल मोबाइल फोन निर्माण बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका व्यापक दृष्टिकोण भारत को वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण, अनुसंधान, डिजाइन और नवाचार का अग्रणी केंद्र बनाना है। यह योजना परेरे समय में लाई गई है, जब बड़े पैमाने पर इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के लिए लागू उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना (स्क्रप्-स्वत्से) 31 मार्च 2026 को समाप्त हो चुकी है। नई योजना उस सफलता को अगले चरण तक ले जाने का प्रयास है।

विनोद कुमार सिंह ‘तकियावाला’

इसका कार्यकाल वित्त वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक पाँच वर्षों का होगा।एमपीएमएस के अंतर्गत भारत में निर्मित मोबाइल फोन की पात्र बिक्री पर 2.25 प्रतिशत से 5 प्रतिशत तक प्रोत्साहन दिया जाएगा। यदि निर्माता प्रमुख पुर्जों और उप-असेंबलियों की घरेलू खरीद बढ़ाते हैं तो उन्हें 1.5 प्रतिशत तक अतिरिक्त प्रोत्साहन मिलेगा। वहीं भारतीय ब्रांडों को डिजाइन, अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) के लिए 3 प्रतिशत अतिरिक्त प्रोत्साहन प्रदान किया जाएगा। इससे स्पष्ट है कि सरकार केवल असेंबली आधारित उत्पादन नहीं, बल्कि वास्तविक तकनीकी क्षमता, नवाचार और बौद्धिक संपदा निर्माण को प्रोत्साहित करना चाहती है।सरकार का अनुमान है कि योजना की अवधि में देश में लगभग 39 लाख करोड़ रुपये मूल्य के मोबाइल फोन का संचयी उत्पादन होगा। साथ ही मोबाइल फोन निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि होगी तथा लगभग 60,000 प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे। अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर इससे



कहीं अधिक होंगे, जिससे लाखों युवाओं, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं और महिलाओं को रोजगार मिलने की संभावना है।पिछले एक दशक में ‘मेक इन इंडिया’ अभियान के तहत भारत ने इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में उल्लेखनीय प्रगति की है। वर्ष 2014-15 की तुलना में इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन लगभग सात गुना तथा निर्यात ग्यारह गुना बढ़ चुका

है। आज भारत मात्रा के आधार पर दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल फोन निर्माता है और देश में उपयोग होने वाले 99.2 प्रतिशत मोबाइल फोन भारत में ही निर्मित हो रहे हैं।वर्ष 2025 में स्मार्टफोन भारत का सबसे बड़ा निर्यात उत्पाद बन गया, जिसने डीजल ईंधन और कटे-तराशे हिरों जैसे पारंपरिक निर्यात उत्पादों को भी पीछे छोड़ दिया। यह उपलब्धि दर्शाती



आत्मनिर्भर भारत

है कि भारत वैश्विक मूल्य श्रृंखला में अपनी स्थिति लगातार मजबूत कर रहा है और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र अब भारतीय अर्थव्यवस्था की नई विकास धुरी बनता जा रहा है।नई योजना का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इसमें भारतीय कंपनियों को अपने स्वयं के ब्रांड, डिजाइन और अनुसंधान प्रोत्साहन देने के लिए विशेष

भारत वैश्विक कंपनियों के लिए विनिर्माण केंद्र बना रहा, लेकिन अब लक्ष्य केवल निर्माण नहीं, बल्कि तकनीकी स्वावलंबन, भारतीय पेटेंट और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी भारतीय ब्रांड तैयार करना है।घरेलू मूल्य संवर्धन बढ़ाने पर विशेष बल देने से मोबाइल फोन उद्योग का निर्माण चिप,कैमरा, माँड्यूल, डिस्प्ले,बैटरी,पिंटेड सर्किट बोर्ड और अन्य महत्वपूर्ण पुर्जों के निर्माण को भी बढ़ावा मिलेगा। इससे आयात पर निर्भरता घटेगी, विदेशी मुद्रा की बचत होगी और आपूर्ति श्रृंखला अधिक मजबूत तथा सुरक्षित बनेगी।आज वैश्विक कंपनियाँ अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता लाने की दिशा में तेजी से काम कर रही हैं।इसे समय में भारत के पास कुशल मानव संसाधन,विशाल घरेलू बाजार,बेहतर अवसरंचना और अपेक्षाकृत स्थिर नीतिगत वातावरण जैसी महत्वपूर्ण शक्तियाँ हैं। एमपीएमएस इन सभी क्षमताओं को एकीकृत करते हुए भारत को वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण का प्रमुख केंद्र बनाने में निर्णायक भूमिका निभा सकती है।हालाँकि इस योजना की वास्तविक

सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि घरेलू अनुसंधान एवं विकास, सेमीकंडक्टर निर्माण, इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट उद्योग, भारतीय पेटेंट और नवाचार को समान गति से आगे बढ़ाया जाए। यदि इन क्षेत्रों में भी निरंतर और लक्षित निवेश हुआ तो भारत केवल मोबाइल फोन का निर्माण ही नहीं करेगा, बल्कि भविष्य की मोबाइल तकनीकों के विकास और निर्यात में भी अग्रणी भूमिका निभा सकेगा।स्पष्ट है कि मोबाइल फोन मैनुफैक्चरिंग स्कीम केवल एक प्रोत्साहन योजना नहीं,बल्कि भारत को तकनीकी रूप से आत्मनिर्भर, नवाचार-आधारित और वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स महाशक्ति बनाने की दीर्घकालिक रणनीति का महत्वपूर्ण आधार है।आने वाले वर्षों में यह योजना भारतीय उद्योग,रोजगार,निर्यात और तकनीकी नेतृत्व को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने में निर्णायक भूमिका निभा सकती है। यदि इसका प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित हुआ, तो यह पहल भारत को केवल दुनिया का बड़ा बाजार ही नहीं, बल्कि दुनिया का विश्वसनीय तकनीकी निर्माता और नवाचार के द्र भी बना सकती है।

400 साल पुरानी सिंधिया रियासत की ऐतिहासिक तोप चोरी नरवर किले की सुरक्षा पर उठे गंभीर सवाल, अंतरराष्ट्रीय एंटीक तस्करी की आशंका

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले स्थित ऐतिहासिक नरवर किले से सिंधिया रियासत की लगभग 400 वर्ष पुरानी दुर्लभ तोप चोरी होने का मामला सामने आया है इस घटना ने प्रदेश की ऐतिहासिक धरोहरों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं करीब 3500 किलोग्राम वजनी इस तोप को चोर सुनियोजित तरीके से किले से लगभग 3000 फीट नीचे उतारकर वाहन में लादकर फरार हो गए प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि वारदात के पीछे अंतरराष्ट्रीय एंटीक तस्करों का हाथ हो सकता है क्योंकि अंतरराष्ट्रीय ब्लैक मार्केट में इस तरह की दुर्लभ ऐतिहासिक धरोहरों की कीमत 3 से 5 करोड़ रुपये तक आंकी जाती है जानकारी के अनुसार यह वारदात 15-16 जुलाई की रात हुई बदमाश पूरी तैयारी के साथ किले पहुंचे थे। उन्होंने पहले भारी तोप को गर्दी



और रजाइयों में लपेटा ताकि उसे नीचे उतारते समय नुकसान न पहुंचे और आवाज भी न हो इसके बाद बैरिंग लगी विशेष लोहे की ट्राली की मदद से तोप को दुर्गम रास्ते से लगभग 3000 फीट नीचे लाया गया वहां पहले से मौजूद एक लोडिंग वाहन में तोप को रखकर आरोपी फरार हो गए घटनास्थल पर भारी वाहनों के टायरों के निशान और अन्य कई महत्वपूर्ण साक्ष्य मिले हैं।

10 दिन पहले भी हुई थी चोरी की कोशिश: जांच में यह तथ्य भी सामने आया है कि चोरों ने इस वारदात की योजना

कफ़ी पहले बना ली थी। 4 से 5 जुलाई की रात भी बदमाशों ने इसी तोप को उसके मूल स्थान से नीचे गिरा दिया था लेकिन अत्यधिक वजन होने के कारण वे उसे वहां से ले जाने में सफल नहीं हो सके उस समय सुरक्षा गार्डों ने नरवर थाने में शिकायत दर्ज कराई थी लेकिन मामले को गंभीरता से नहीं लिया गया। माना जा रहा है कि यदि उस शिकायत पर समय रहते कार्रवाई होती तो यह ऐतिहासिक चोरी टाली जा सकती थी।

अब किले में बच्चों केवल 13 ऐतिहासिक तोपें: नरवर

किले की ओपन कचहरी में पहले सिंधिया राजवंश काल की कुल 14 ऐतिहासिक तोपें रखी थीं चोरी के बाद अब वहां केवल 13 तोपें शेष रह गई हैं चोरी हुई तोप की लंबाई लगभग 5 फीट 10 इंच और चौड़ाई करीब 30 इंच बताई गई है यह तोप पीतल, तांबा, कांसा और अष्टधातु जैसी मिश्रित धातुओं से निर्मित थी जिस पर फारसी और देवनागरी लिपि में ऐतिहासिक शिलालेख भी अंकित थे विशेषज्ञों के अनुसार इस प्रकार की तोपें केवल सैन्य इतिहास ही नहीं बल्कि सांस्कृतिक और पुरातात्विक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती हैं।

नरवर किले का ऐतिहासिक महत्व: नरवर किले का इतिहास कई शताब्दियों पुराना है किले की कचहरी महल का निर्माण 16वीं शताब्दी में कछवाहा राजाओं द्वारा कराया गया था बाद में वर्ष 1925 में महाराजा माधवराव सिंधिया के

आदेश पर इसका जीर्णोद्धार कराया गया यहां संरक्षित तोपें सिंधिया शासनकाल की सैन्य शक्ति और धातु कला का महत्वपूर्ण प्रमाण मानी जाती हैं इनकी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत के कारण देश-विदेश के शोधकर्ताओं और पर्यटकों के लिए भी इनका विशेष महत्व है।

सुरक्षा व्यवस्था में बड़ी लापरवाही: घटना के बाद सबसे बड़ा सवाल किले की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर उठ रहा है जानकारी के अनुसार नरवर किले की सुरक्षा के लिए कुल छह गार्ड नियुक्त हैं इनमें



चार गार्ड दिन में और दो गार्ड रात में ड्यूटी करते हैं घटना वाली रात दोनों रात्रि गार्ड अपने-अपने घर चले गए थे जिससे पूरा किला बिना सुरक्षा के रह गया। सुरक्षा गार्ड बालकिशन बाल्मीक ने स्वीकार किया कि किले में रात में रुकने की उचित व्यवस्था नहीं है। वहां न तो पर्याप्त रोशनी है और न ही टॉर्च या अन्य सुरक्षा संसाधन उपलब्ध हैं इसी कारण वह रात में घर चला गया था वहीं दूसरे गार्ड शरणलाल जाटव ने भी माना कि घटना के समय वह ड्यूटी पर मौजूद नहीं था।

चिरमिरी में श्रद्धा और उल्लास के साथ निकली भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा



मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। एमसीबी जिले के चिरमिरी में भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा गुरुवार की पूरे धार्मिक उत्साह और श्रद्धा के साथ निकाली गई इस अवसर पर हजारों श्रद्धालु यात्रा में शामिल हुए और पूरा शहर ‘जय जगन्नाथ’ के जयघोष से गूंज उठा भजन-कीर्तन, पुष्पवर्षा और प्रसाद वितरण के बीच चिरमिरी का वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो गया रथयात्रा की शुरुआत चिरमिरी स्थित भगवान जगन्नाथ मंदिर से हुई, जिसे ओडिशा के प्रसिद्ध पुरी जगन्नाथ मंदिर की तर्ज पर बनाया गया है भगवान जगन्नाथ, बड़े भाई बलभद्र और बहन माता सुभद्रा के विग्रहों को आकर्षक ढंग से सजे रथ में विराजमान कर विधि-विधान और पूजा-अर्चना के बाद नगर भ्रमण के लिए रवाना किया गया यात्रा का सबसे भावुक और आकर्षक दृश्य तब देखने को

मिला, जब हजारों श्रद्धालु भगवान के रथ की रस्सी खींचने के लिए उमड़ पड़े धार्मिक मान्यता है कि भगवान जगन्नाथ के रथ की रस्सी खींचने से पुण्य की प्राप्ति होती है और श्रद्धालुओं की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं इसी आस्था के साथ महिलाएं, पुरुष, बुजुर्ग और बच्चे बड़ी संख्या में रथयात्रा में शामिल हुए रथयात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से होकर निकली। जगह-जगह श्रद्धालुओं ने भगवान की आरती उतारी, पुष्पवर्षा की और प्रसाद का वितरण किया भक्ति गीतों और जयघोष से पूरा शहर आध्यात्मिक रंग में रंगा नजर आया आयोजन समिति की ओर से श्रद्धालुओं के लिए पेयजल, प्रसाद और अन्य आवश्यक सुविधाओं की विशेष व्यवस्था की गई थी यात्रा के दौरान स्वयंसेवकों ने व्यवस्था संचालते हुए श्रद्धालुओं की सहायता की वहीं पुलिस और प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए थे।

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत चैनपुर में करियर काउंसलिंग, बालिकाओं को मिला उज्ज्वल भविष्य का मार्गदर्शन



मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। भारत सरकार की महत्वाकां बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत युवा कौशल दिवस के अवसर पर शासकीय माध्यमिक शाला चैनपुर में आयोजित दो दिवसीय करियर काउंसलिंग कार्यक्रम का सफल समापन हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य बालिकाओं को शिक्षा, करियर, रोजगार, कौशल विकास और विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी देकर

उन्हें आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनने के लिए प्रेरित करना था कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने भविष्य से जुड़े विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञों से मार्गदर्शन प्राप्त किया। यह आयोजन कलेक्टर एवं जिला दुष्ण्ठाधिकारी संतन देवी जांगड़े के निर्देशानुसार तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी आदित्य शर्मा के मार्गदर्शन में महिला एवं बाल विकास विभाग तथा स्कूल

शिक्षा विभाग के संयुक्त सहयोग से किया गया कार्यक्रम का संचालन जिला महिला सशक्तिकरण (हब) मिशन शक्ति की जिला मिशन समन्वयक तारा कुशवाहा ने किया। करियर काउंसलिंग सत्र के दौरान छात्राओं को उनकी रुचि, क्षमता और लक्ष्य के अनुरूप विषय चयन, उच्च शिक्षा के अवसर, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, रोजगार के क्षेत्र और विभिन्न व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई विशेषज्ञों ने बताया कि सही दिशा में की गई तैयारी और निरंतर मेहनत से ग्रामीण क्षेत्रों की बालिकाएं भी अपने सपनों को साकार कर सकती हैं साथ ही उन्हें कौशल विकास कार्यक्रमों और रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण की उपयोगिता से भी अवगत कराया

गया। कार्यक्रम में जिला महिला सशक्तिकरण केन्द्र की जेंडर विशेषज्ञ शैलजा गुप्ता, वित्तीय साक्षरता समन्वयक अनीता कुमारी साह तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की पीएलवी अंजनी यादव ने विभिन्न शासकीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने नौनी सुरक्षा योजना, सक्षम योजना, सखी निवास, शक्ति सदन, नारी अदालत, महतारी वंदन योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना, चाइल्ड हेल्पलाइन और नवा बिहान जैसी योजनाओं के लाभ एवं पात्रता के बारे में जानकारी साझा की इसके साथ ही महिलाओं एवं बालिकाओं के अधिकार, सुरक्षा, वित्तीय साक्षरता और कानूनी सहायता से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं पर भी जागरूक किया गया।

नैनो डीएपी ने बदली किसान इंद्रभान सिंह की खेती की तस्वीर, कम लागत में बेहतर उत्पादन की बड़ी उम्मीद



मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। भरतपुर विकासखंड के ग्राम मैनपुर के प्रगतिशील किसान इंद्रभान सिंह कंवर ने आधुनिक कृषि तकनीक को अपनाकर यह साबित कर दिया है कि वैज्ञानिक सलाह और नई तकनीक के समन्वय से खेती को अधिक लाभकारी बनाया जा सकता है इफको नैनो डीएपी से उन्हें न केवल खेती की लागत कम करने में सफलता मिली बल्कि फसल की गुणवत्ता और विकास में भी सकारात्मक परिणाम देखने

को मिले हैं उनकी सफलता अब क्षेत्र के अन्य किसानों के लिए प्रेरणा बन रही है किसान इंद्रभान सिंह कंवर, पिता ललन सिंह कंवर, वर्षों से खेती-किसानी कर अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहे हैं बढ़ती कृषि लागत और रसायनिक उर्वकों पर निर्भरता उनके लिए चिंता का विषय थी ऐसे समय में कृषि विभाग और सहकारी समिति के मार्गदर्शन में उन्हें इफको नैनो डीएपी की जानकारी मिली। शुरुआत में उनके मन में इस नई तकनीक को लेकर

संदेह लेकिन कृषि विशेषज्ञों ने नैनो डीएपी की कार्यप्रणाली, उपयोग की विधि और इसके लाभों के बारे में विस्तार से समझाया विशेषज्ञों ने बताया कि नैनो डीएपी पौधों द्वारा आसानी से अवशोषित हो जाता है जिससे पोषक तत्वों का अधिक प्रभावी उपयोग होता है और फसल का संतुलित विकास सुनिश्चित होता है वैज्ञानिक सलाह पर भरोसा करते हुए इंद्रभान सिंह ने खरीफ सीजन में अपनी धान की फसल में नैनो डीएपी का उपयोग किया कुछ ही समय बाद उन्हें इसके सकारात्मक परिणाम दिखाई देने लगे खेत में पौधों की बढ़वार पहले की तुलना में अधिक समान और स्वस्थ रही फसल में हरियाली बनी रही तथा पौधों का विकास संतुलित रूप से हुआ इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ा और उन्हें विश्वास हो गया।

प्रेम प्रसंग से नाराज पिता-पुत्र ने की युवक की हत्या, शव रेलवे ट्रैक पर फेंककर हादसा दिखाने की कोशिश

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)।मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में प्रेम प्रसंग के चलते हुई एक सनसनीखेज हत्या का पुलिस ने खुलासा किया है मातगुवां थाना पुलिस ने पिता और उसके नाबालिग बेटे को गिरफ्तार किया है आरोप है कि दोनों ने 21 वर्षीय युवक रामजी रैकवार की कुल्हाड़ी से हत्या कर शव को बोरे में भरकर रेलवे ट्रैक पर फेंक दिया ताकि मामला ट्रेन दुर्घटना जैसा लगे पुलिस के अनुसार 27 जून 2026 को महाराजा छत्रसाल और ईसानगर रेलवे स्टेशन के बीच एक क्षत-विक्षत शव मिला था जांच में मृतक की पहचान ग्राम मेहवा निवासी रामजी रैकवार के रूप में हुई, जिसकी गुमशुदगी पहले से दर्ज थी पोस्टमार्टम रिपोर्ट, काल डिटेल रिकॉर्ड और मोबाइल लोकेशन के आधार पर पुलिस

ने मामले की जांच आगे बढ़ाई पूछताछ में आरोपी मूलचंद रैकवार और उसके नाबालिग बेटे ने हत्या की बात स्वीकार कर ली पुलिस के मुताबिक, रामजी का मूलचंद की बेटी से पिछले पांच वर्षों से प्रेम संबंध था और दोनों शादी करना चाहते थे परिवार इस रिश्ते के खिलाफ था इसी रंजिश में आरोपी ने युवक को खेत पर बुलाया और बेटे के साथ मिलकर कुल्हाड़ी से उसकी हत्या कर दी।

हत्या के बाद शव को पहले झाड़ियों में छिपाया गया और फिर रेलवे ट्रैक पर डाल दिया गया पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त कुल्हाड़ी, बाइक और मृतक का मोबाइल फोन बरामद कर लिया है दोनों आरोपियों के खिलाफ हत्या और साक्ष्य मिटाने के आरोप में कार्रवाई की जा रही है।

प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना से साकार हुआ पक्के घर का सपना, सुकवरिया के परिवार को मिला सम्मान और सुरक्षा

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जनपद पंचायत खड़गवां के ग्राम नेवरी की निवासी सुकवरिया के जीवन में प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना ने नई उम्मीद और खुशियों का संचार किया है। वर्षों तक कच्चे और जर्जर मकान में कठिन परिस्थितियों के बीच जीवन बिताते वाले इस परिवार को अब योजना के तहत पक्का आवास मिल गया है सुरक्षित और मजबूत घर मिलने से उनके परिवार के जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार आया है तथा भविष्य को लेकर नई उम्मीद जगी है सुकवरिया और उनके पति पन्तूलाल लंबे समय से आर्थिक तंगी के कारण पक्का घर नहीं बना पा रहे थे। उनका परिवार एक कच्चे मकान में रहता था जहां हर मौसम अपने साथ नई

परेशानियां लेकर आता था। बरसात में छत टपकती थी, गर्मियों में तेज गर्मी और सर्दियों में ठंडी हवाओं से परिवार को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था हर वर्ष बारिश के मौसम में मकान के क्षतिग्रस्त होने का डर बना रहता था जिससे परिवार हमेशा चिंता में रहता था इसी दौरान प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना उनके जीवन में परिवर्तन का माध्यम बनकर पात्रता के आधार पर उन्हें योजना का लाभ मिला और शासन से आर्थिक सहायता प्राप्त होने के बाद उन्होंने अपने सपनों का पक्का घर बनवाया आज उनका परिवार मजबूत और सुरक्षित आवास में सम्मानपूर्वक जीवन व्यतीत कर रहा है सुकवरिया बताती हैं कि नया घर मिलने के बाद उनके जीवन में

कई सकारात्मक बदलाव आए हैं अब बारिश के दिनों में छत टपकने की चिंता नहीं रहती और न ही आंधी-तूफान का भय सताता बच्चों को पढ़ाई के लिए सुरक्षित और अनुकूल वातावरण मिला है जबकि पूरे परिवार को स्वच्छ, व्यवस्थित और बेहतर रहन-सहन का लाभ प्राप्त हो रहा है। पक्का घर मिलने से परिवार के भीतर आत्मविश्वास भी बढ़ा है और सामाजिक सम्मान में भी वृद्धि हुई है वे कहती हैं कि पहले हर मौसम उनके लिए चिंता का कारण बन जाता था लेकिन अब उनका परिवार निश्चिंत होकर अपने घर में रह रहा है यह घर केवल चार दीवारों का निर्माण नहीं बल्कि उनके परिवार के सुरक्षित और सम्मानजनक भविष्य की मजबूत नींव है उनके चेहरे पर संतोष और खुशी साफ झलकती है।

रिहायशी इलाके में प्रस्तावित शराब दुकान का विरोध तेज, मनेन्द्रगढ़ में कांग्रेस और वार्डवासियों ने आबकारी विभाग को सौंपा ज्ञापन, आंदोलन की चेतावनी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। छत्तीसगढ़ के मनेन्द्रगढ़ शहर में वार्ड क्रमांक-16 के रिहायशी क्षेत्र में प्रस्तावित शराब दुकान को लेकर स्थानीय लोगों का विरोध लगातार तेज होता जा रहा है। शुक्रवार को कांग्रेस जिला अध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और बड़ी संख्या में वार्डवासियों ने आबकारी विभाग पहुंचकर ज्ञापन सौंपा उन्होंने मांग की कि आबादी के बीच शराब दुकान खोलने की योजना तत्काल निरस्त की जाए और दुकान को किसी अन्य उपयुक्त स्थान पर स्थानांतरित किया जाए प्रदर्शनों में शामिल लोगों का कहना था कि रिहायशी इलाके में



शराब दुकान खुलने से क्षेत्र का सामाजिक वातावरण प्रभावित होगा उन्होंने आशंका जताई कि इससे महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों की सुरक्षा पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है स्थानीय लोगों के अनुसार जिस स्थान पर शराब दुकान प्रस्तावित है उसके आसपास बड़ी संख्या में परिवार

निवास करते हैं और रोजाना महिलाओं, बच्चों तथा विद्यार्थियों का आना-जाना रहता है ऐसे में वहां शराब दुकान खोलना जनहित के खिलाफ होगा। कांग्रेस और वार्डवासियों द्वारा आबकारी विभाग को सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया कि शराब दुकान खुलने से क्षेत्र में

असामाजिक गतिविधियों के बढ़ने की आशंका रहेगी सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने, विवाद, शोर-शराबा और कानून-व्यवस्था से जुड़ी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। लोगों का कहना है कि इससे न केवल स्थानीय निवासियों का दैनिक जीवन प्रभावित होगा बल्कि बच्चों और युवाओं पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा ज्ञापन में प्रशासन से आग्रह किया गया कि जनभावनाओं का सम्मान करते हुए प्रस्तावित दुकान के लिए किसी ऐसे स्थान का चयन किया जाए जहां आबादी कम हो और आम नागरिकों को असुविधा न हो। कांग्रेस जिला अध्यक्ष अशोक

श्रीवास्तव ने कहा कि पार्टी स्थानीय नागरिकों की भावनाओं के साथ खड़ी है उन्होंने कहा कि किसी भी रिहायशी क्षेत्र में शराब दुकान खोलने का निर्णय लेने से पहले स्थानीय लोगों की राय लेना आवश्यक है यदि बड़ी संख्या में लोग इसका विरोध कर रहे हैं तो प्रशासन को उनकी बात गंभीरता से सुननी चाहिए उन्होंने आरोप लगाया कि आबादी वाले इलाके में शराब दुकान खोलने का फैसला स्थानीय हितों के अनुरूप नहीं है प्रशासन को चाहिए कि वह प्रस्तावित स्थान पर दुकान खोलने की प्रक्रिया तत्काल रोके और वैकल्पिक स्थान की तलाश करे। प्रदर्शनों में शामिल महिलाओं और स्थानीय

नागरिकों ने कहा कि उनके क्षेत्र में पहले से ही परिवारों की बड़ी आबादी रहती है यदि यहां शराब दुकान खुलती है तो महिलाओं और छात्राओं को आवागमन में असुरक्षा महसूस हो सकती है लोगों का कहना है कि शराब दुकान के आसपास भीड़ जुटने, नशे में विवाद होने और सामाजिक शांति भंग होने जैसी स्थितियां पैदा हो सकती हैं। स्थानीय नागरिकों ने यह भी कहा कि बच्चों के मानसिक और सामाजिक विकास पर भी इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है उनका मानना ​​है कि शिक्षा और पारिवारिक वातावरण वाले क्षेत्र में शराब दुकान की स्थापना उचित नहीं है।

नर्मदापुरम में कांग्रेस नेता की कमर्शियल बिल्डिंग के बाथरूम में युवक का शव मिला

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। मध्य प्रदेश के नर्मदापुरम में गुरुवार रात कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष फैजान उल हक की कमर्शियल बिल्डिंग के प्रथम तल स्थित बाथरूम में एक 30 वर्षीय युवक का शव सड़िग्ध परिस्थितियों में मिलने से सनसनी फैल गई मौके से 100 सरकारी सिरिंज का पैक बॉक्स, एक इस्तेमाल की हुई सिरिंज और दवा की एक बोतल बरामद होने के बाद पुलिस कई पहलुओं से मामले की जांच कर रही है शुरुआती जांच में इंजेक्शन के नशे से मौत की आशंका जताई जा रही है हालांकि पुलिस ने स्पष्ट किया है कि मौत के वास्तविक कारण का पता पोस्टमार्टम और एफएएसएल रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा जानकारी के

अनुसार गुरुवार रात करीब 9 बजे बिल्डिंग के चौकीदार ने देखा कि पहली मंजिल का बाथरूम काफी देर से अंदर से बंद है कई बार आवाज देने के बावजूद कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलने पर उसने बिल्डिंग मालिक फैजान उल हक को सूचना दी इसके बाद पुलिस को बुलाया गया पुलिस की मौजूदगी में दरवाजा खोला गया तो अंदर एक युवक का शव जमीन पर पड़ा मिला।

मृतक की पहचान आधार कार्ड के जरिए ओमप्रकाश पिता पुरनलाल तायड़ा (30), निवासी आदमगढ़ के रूप में हुई वह मजदूरी का काम करता था पुलिस ने पंचनामा कांवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और बाथरूम को सील कर दिया।

आरएके कॉलेज में रोपे गए 01 हजार से अधिक पौधे, 117 विद्यार्थियों और शिक्षकों ने लिया सभी पौधों के संरक्षण का संकल्प



मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। आरएके कॉलेज में 'ग्रीन प्रेजुएशन ड्रिपी कार्यक्रम' तथा 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण, हरित विकास एवं प्राकृतिक संसाधनों के संवर्धन के प्रति जागरूकता विकसित करना था। कार्यक्रम में प्रथम वर्ष के 117 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक ग्राप्टेड किस्मों-केसर, दशहरी एवं राजापुरी सहित अन्य प्रजातियों के लगभग 01 हजार पौधों का रोपण किया तथा प्रत्येक विद्यार्थी ने अपनी ड्रिपी के पूरे कार्यकाल में पौधों के संरक्षण एवं संवर्धन का संकल्प लिया। इस अवसर पर श्री मनोहर लाल वर्मा, अधिष्यता डॉ. एसपी दत्ता, प्रगतिशील किसान डॉ. शिवप्रसाद ठाकुर, श्री दुलीचन्द्र वर्मा, डॉ. डी.आर सक्सेना, डॉ. आई.एस. नरुका, डॉ. डी. के. प्यासी सहित कॉलेज के प्राध्यापकगण, अधिकारी, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

बुरहानपुर में एक घंटे तक रुक-रुक कर बारिश:

गर्मी से राहत मिली, सूखे की चिंता के

बीच किसानों के चेहरे खिले



मीडिया ऑडीटर, बुरहानपुर (निप्र)। बुरहानपुर शहर में गुरुवार शाम 6:15 बजे के बाद मौसम का मिजाज अचानक बदल गया। तेज हवाओं के साथ बारिश शुरू हो गई, जो शाम 7:15 बजे तक रुक-रुक कर जारी रही। पिछले कुछ दिनों से बारिश न होने के कारण शहर में गर्मी बढ़ गई थी, जिससे आमजन परेशान थे। गुरुवार शाम हुई इस बारिश से लोगों को गर्मी से काफी राहत मिली है। शुक्रवार को अधिकतम तापमान 32 डिग्री और न्यूनतम 28 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इससे पहले बुधवार को अधिकतम तापमान 34 और न्यूनतम 25 डिग्री सेल्सियस था, जबकि मंगलवार को भी यही स्थिति थी।

अब तक 313.5 मिलीमीटर बारिश: जिले के किसान अपनी बोवनी का काम पूरा कर चुके थे, लेकिन बारिश न होने से वे सूखे की आशंका को लेकर चिंतित थे। गुरुवार शाम की बारिश ने उनकी चिंता कुछ हद तक कम की है। बुरहानपुर जिले में 1 जून से अब तक कुल 313.5 मिलीमीटर (12.3 इंच) बारिश दर्ज की गई है। जिले की सामान्य औसत बारिश 823.6 मिलीमीटर है।

9 दिन से थमा मानसून, किसानों की बढ़ी चिंता-मंदसौर में 19 जुलाई से फिर सक्रिय होने के संकेत, खरीफ फसलों को मिलेगी राहत



मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)। मंदसौर जिले में मानसून की गति धीमी पड़ गई है। पिछले 9 दिनों से जिले में अच्छी बारिश दर्ज नहीं हुई है। आखिरी बार 8 जुलाई को महत्वपूर्ण वर्षा हुई थी, जिसके बाद 9 जुलाई की रात कुछ इलाकों में हल्की बूँदाबादी हुई थी। तब से लेकर शुक्रवार तक जिले में बारिश नहीं हुई है, जिससे पूरा जिला अच्छी वर्षा का इंतजार कर रहा है। बारिश न होने के कारण दिभर तेज धूप और उमस से लोग परेशान हैं। सुबह से शाम तक गर्मी का असर बना हुआ है। बादल छाते हैं, लेकिन बिना बरसे ही आगे बढ़ जाते हैं, जिससे लोगों को गर्मी से राहत नहीं मिल पा रही है। इस स्थिति से किसानों की चिंता लगावार बढ़ रही है। जिला मुख्यालय के साथ-साथ नाहरगढ़, भावगढ़, गरोठ, सुवासरा, शामगढ़, दलौदा, मल्हारगढ़, पिपलिया मंडी, नारायणगढ़, डिगांव, सुठेद, बरखेड़ा और अफजलपुर सहित जिले के अधिकांश क्षेत्रों में भी कई दिनों से अच्छी बारिश नहीं हुई है। मानसून कमजोर पड़ने से खेतों की नमी कम होने लगी है, जिससे खरीफ फसलों पर प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका है।

तीन दिन बाद दोबारा सक्रिय होगा मानसून: जिले में अब तक औसतन लगभग 10.10 इंच बारिश दर्ज की जा चुकी है। हालाँकि, जुलाई के दूसरे सप्ताह में बारिश का लंबा अंतराल किसानों के लिए चिंता का विषय बन गया है। यदि जल्द ही अच्छी बारिश होती है, तो सोयाबीन, मक्का और अन्य खरीफ फसलों को पर्याप्त नमी मिल सकेगी। मौसम विभाग के अनुसार, फिलहाल मानसून कमजोर है, लेकिन अगले दो से तीन दिनों में इसके दोबारा सक्रिय होने के संकेत हैं। शुक्रवार को अधिकतम तापमान 34 से 35 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 25 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। आसमान में आंशिक बादल छाए रहेंगे और उमस बनी रहेगी।

आगामी दिनों का संभावित मौसम: 18 जुलाई: बादल छाए रहेंगे। कुछ स्थानों पर गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। 19 जुलाई: जिले के कई क्षेत्रों में हल्की बारिश और गरज-चमक के साथ बौछरें पड़ने की संभावना है। 20 से 22 जुलाई: मानसून के दोबारा सक्रिय होने के संकेत हैं। इन दिनों हल्की से मध्यम बारिश के कई दौर आ सकते हैं। तापमान घटकर 29 से 31 डिग्री सेल्सियस के बीच पहुंच सकता है, जिससे उमस और गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद है।

किसानों और आम लोगों के लिए सलाह: बारिश की संभावना को देखते हुए खेतों में जल निकासी की व्यवस्था पहले से सुनिश्चित करें। बिजली कड़कने के दौरान खुले मैदान और पेड़ों के नीचे खड़े होने से बचें। तेज बारिश होने की स्थिति में निचले इलाकों में जलभराव की संभावना को देखते हुए सतर्क रहें।फिलहाल जिले में लोग और किसान दोनों अच्छी बारिश का इंतजार कर रहे हैं। मौसम विभाग के अनुमान के अनुसार, 19 जुलाई से मानसून के दोबारा सक्रिय होने के बाद जिले में रुक-रुक कर बारिश और गरज-चमक का दौर शुरू हो सकता है।

रतलाम में बड़े भाई ने की भाई की हत्या:शराब के नशे में हुआ विवाद सिर पर किया वार, इलाज के दौरान मौत

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम के थाना औद्योगिक क्षेत्र अंतर्गत लक्ष्मणपुरा में शराब के नशे में दो भाइयों में विवाद में छोटे भाई की मौत हो गई। घायल अवस्था में छोटे भाई को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया था। जहां से उसे इंदौर रेफर कर दिया। शुक्रवार सुबह इलाज के दौरान उसकी मौत गई। मृतक का नाम विमल महावार (30) है। गुरुवार रात करीब 2 बजे छोटे भाई विमल का बड़ा भाई त्रिलोकचंद से घर में विवाद हुआ। विवाद इतना बढ़ा कि बड़े भाई ने छोटे भाई के सिर पर कपड़े धोने की मोगरी से वार कर दिया। इससे उसके सिर पर खून निकलने लगा। रात में शोर-शराबा सुन कर घर में सो रही मां ने आसपास वाले को बुलाया। रात में ही एंबुलेंस बुलाकर बड़ा भाई त्रिलोक व



रिश्तेदार पवन महावर घायल विमल को लेकर मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे। जहां हालाक गंभीर होने पर रात में ही इंदौर रेफर कर दिया। सुबह करीब 10 बजे इलाज के

दमोह में नवविवाहिता को फिनायल पिलाया, हालत गंभीर

डॉक्टर पति और सास-ससुर पर आरोप, देहेज में 20 लाख की कार के लिए प्रताड़ित किया



मीडिया ऑडीटर, दमोह (निप्र)। दमोह की क्रिश्चियन कॉलोनी में एक वेटेरनरी डॉक्टर और उसके माता-पिता पर अपनी 24 वर्षीय नवविवाहिता को फिनायल पिलाने के आरोप लगे

है। पीड़ित महिला को गंभीर हालत में शुक्रवार सुबह जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मायके पक्ष का कहना है कि शादी के बाद से ही ससुराल वाले 20 लाख रुपए की कार की मांग को लेकर महिला

के साथ मारपीट कर रहे थे।

शादी के तीन महीने बाद ही शुरू हुई प्रताड़ना: जबलपुर के पनागर निवासी पीड़ित महिला की मां पार्वती राय ने बताया कि उनकी बेटी शिवानी की शादी इसी साल 30 अप्रैल को दमोह के वेटेरनरी डॉक्टर मनीष राय से हुई थी। शादी में मायके पक्ष ने करीब 30 लाख रुपए खर्च किए थे।

आरोप है कि शादी के तुरंत बाद से ही पति मनीष, ससुर विशाल और सास अनीता दहेज के लिए शिवानी को प्रताड़ित करने लगे थे।

फोन पर दी फिनायल पिलाने की जानकारी: शुक्रवार सुबह शिवानी ने जबलपुर में अपनी मां को फोन कर बताया कि पति और सास-ससुर ने मिलकर

उसे जबरन फिनायल पिला दिया है। इसके बाद मां ने दमोह में रहने वाले अपने रिश्तेदारों को सूचना दी। शिवानी के मौसी का बेटा सोनू राय जब क्रिश्चियन कॉलोनी स्थित घर पहुंचा, तो आरोपी वहां से गायब थे। सोनू ने तुरंत शिवानी को जिला अस्पताल पहुंचाया।

नायब तहसीलदार के सामने दर्ज हुए बयान: घटना की सूचना मिलने पर नायब तहसीलदार धनीराम सिंह ठाकुर बयान दर्ज करने अस्पताल पहुंचे। उन्होंने बताया कि पीड़ित शिवानी के बयान ले लिए गए हैं। शिवानी ने अपने बयानों में पति और सास-ससुर पर दहेज के लिए प्रताड़ित करने और फिनायल जैसी कोई जहरीली दवा पिलाने का आरोप लगाया है।

सिवनी मालवा में एक हफ्ते से बारिश नहीं: धान की फसल सूखने की कगार पर; किसान बोले-उपज पर पड़ेगा असर



मालवा मीडिया ऑडीटर, सिवनी (निप्र)। सिवनी मालवा तहसील क्षेत्र में एक सप्ताह से अधिक समय से बारिश न होने के कारण धान की फसल संकट में है।

तेज धूप और उमस से खेतों की नमी तेजी से खत्म हो रही है, जिससे धान की फसल सूखने की कगार पर पहुंच गई है। बारिश का इंतजार कर रहे किसान अब चिंतित हैं।

ग्राम सूरजपुर के किसान शेखर रघुवंशी ने बताया कि उन्होंने इस वर्ष करीब 18 एकड़ में धान की फसल लगाई है। शुरुआती दौर में अच्छी बारिश से फसल की बढ़वार बेहतर थी, लेकिन पिछले एक सप्ताह से अधिक समय से बारिश न होने के कारण खेतों की मिट्टी सूखने लगी है। लगातार तेज गर्मी से खेतों में दरारें पड़ रही हैं और धान के पौधे मुखाड़ रहे हैं।

रघुवंशी के अनुसार, यदि जल्द बारिश नहीं हुई तो फसल को भारी नुकसान हो सकता है। धान की खेती में प्रति एकड़ लगभग 20 हजार रुपये का खर्च आता है। फसल सूखने की स्थिति में किसानों को बड़ा आर्थिक नुकसान उठाना पड़ेगा। क्षेत्र के अन्य किसानों का कहना है कि धान की फसल को इस समय सर्वाधिक पानी की आवश्यकता होती है। बारिश में लगातार देरी से फसल की वृद्धि प्रभावित हो रही है।

किसानों ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि यदि जल्द बारिश नहीं होती है, तो फसल की स्थिति का सर्वे कराया जाए और नुकसान होने पर उचित राहत व मुआवजा दिया जाए। मौसम की बेरुखी ने सिवनी मालवा तहसील के किसानों की चिंता बढ़ा दी है। सभी किसान अब आसमान की ओर देख रहे हैं और अच्छी बारिश की उम्मीद कर रहे हैं।

जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में यातायात व्यवस्थाओं की कलेक्टर ने की समीक्षा



मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरु के. की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने, यातायात व्यवस्था को अधिक सुरक्षित एवं सुगम बनाने तथा सड़क सुरक्षा से जुड़े विभिन्न विषयों की समीक्षा की गई। बैठक में एसपी श्रीमती सोनाक्षी सक्सेना ने भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने जिले की सड़कों की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने सड़कों के गड्ढों की मरम्मत नहीं होने पर नगर पालिका सीहोर के सीएमओ को फटकार लगाते हुए तत्काल गड्ढे भरने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़क की खराब स्थिति दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण बनती है, इसलिए इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कलेक्टर ने सड़क दुर्घटनाओं में घायल व्यक्तियों को प्रधानमंत्री राहत योजना के तहत उपलब्ध कराई जा रही केशलेस उपचार सुविधा का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि दुर्घटना के बाद घायलों को निर्यातित प्रावधानों के अनुसार त्वरित उपचार उपलब्ध कराया जाए तथा मृतक एवं घायलों को मिलने वाली राहत राशि के प्रकरणों का समय-सिमा में निराकरण किया जाए। बैठक में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध नियमित चालानी कार्रवाई, गंभीर मामलों में ड्राइविंग लाइसेंस निलंबन की कार्रवाई, दुर्घटना संभावित ब्लैक स्पॉट्स के सुधार, ओवरस्पीडिंग पर प्रभावी नियंत्रण तथा हाईवे पर नियमित निगरानी के निर्देश दिए गए। साथ ही राहवीर योजना के तहत सड़क दुर्घटना में घायलों को समय पर अस्पताल पहुंचाने वाले नागरिकों को प्रोत्साहन राशि देने की व्यवस्था का व्यापक प्रचार-प्रसार करने पर भी जोर दिया गया। कलेक्टर और एसपी ने अधिकारियों को सड़क सुरक्षा के प्रति आमजन में जागरूकता बढ़ाने, यातायात बाधित करने वाले अतिक्रमण हटाने तथा विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए, ताकि जिले में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके।

रोजगार मेले में 388 युवाओं का हुआ प्रारंभिक चयन

पीएमएफएमई योजना के अंतर्गत 22 लाख रुपये से अधिक का ऋण वितरित

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए सीहोर स्थित महिला आईटीआई कॉलेज में युवा संगम रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेला आयोजित किया गया। रोजगार मेले में कंपनियों के प्रतिनिधियों द्वारा युवाओं का इंटरव्यू लिया गया तथा योग्यता अनुसार चयन किया गया। रोजगार मेले में कुल 418 युवक-युवतियों ने पंजीयन कराया। मेले में कुल 10 कंपनियों द्वारा कुल 388 युवाओं का प्रारंभिक चयन किया गया। मेले में प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्‌गम उन्नयन योजना के अंतर्गत उद्यानिकी विभाग और पशुपालन विभाग द्वारा 04 हितग्राहियों को 22 लाख 90 हजार रुपये का ऋण वितरित किया गया। रोजगार मेले के शुभारंभ अवसर पर एलटीएम श्री जगदीप भट्टाचार्य, डीआईसी महाप्रबंधक श्री अनुराग वर्मा, जिला रोजगार अधिकारी श्री कमलेश पटेल, प्रबंधक श्री संदीप उईके, पीएम एक्ससीलेस कॉलेज प्रभारी प्राचार्य डॉ शीलचंद गुप्ता, आईटीआई प्राचार्य श्री गंबू परमार, श्री विवेक यादव सहित युवा उपस्थित थे।

सीहोर में 9 दिन से थमा मानसून, किसान चिंतित :मौसम विभाग ने 20 जुलाई से बारिश की वापसी का अनुमान जताया

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर जिले में पिछले नौ दिनों से मानसून की बेरुखी बनी हुई है। लगातार बारिश नहीं होने से उमस और गर्मी बढ़ गई है, जबकि खेतों में खड़ी खरीफ फसलों को पानी की सख्त जरूरत महसूस होने लगी है। इसके बावजूद किसान बोनी के बचे हुए कार्य पूरे करने में जुटे हैं और अच्छी बारिश का इंतजार कर रहे हैं। इसी बीच मौसम विभाग ने राहत भरा पूर्वानुमान जारी किया है। विभाग के अनुसार, 20 और 21 जुलाई से मानसून फिर सक्रिय हो सकता है, जबकि 22 से 24 जुलाई के बीच जिले में अच्छी बारिश होने की संभावना है।

20 जुलाई से मानसून के फिर सक्रिय होने के आसार: मौसम विभाग के अनुसार, अगले दो दिनों में हल्की से मध्यम बारिश की शुरुआत हो सकती है।

इसके बाद 22 से 24 जुलाई के दौरान अच्छी वर्षा होने का



अनुमान है। यदि पूर्वानुमान सही रहा तो इससे किसानों को बड़ी राहत मिलेगी और खेतों में नमी लौटने के साथ खरीफ फसलों की बढ़वार में सुधार होगा।

औसत वर्षा पिछले साल से कम: जिले में 1 जून से 17 जुलाई तक 13.97 इंच औसत वर्षा दर्ज की गई है। पिछले वर्ष इसी अवधि में 17.51 इंच बारिश हुई थी।

इस तरह इस बार अब तक औसतन 3.54 इंच कम वर्षा रिकॉर्ड की गई है। 17 जुलाई को जिले के किसी भी वर्षापाती केंद्र पर बारिश दर्ज नहीं हुई और पूरा दिन मौसम शुष्क बना रहा।

आधा से सबसे ज्यादा, श्यामापुर में सबसे कम बारिश: वर्षापाती केंद्रों के अनुसार 17 जुलाई तक जिले में सर्वाधिक वर्षा

आधा ब्लॉक में 19.29 इंच दर्ज की गई।

इसके अलावा—
जावर - 16.89 इंच
भैरुदा - 15.31 इंच
इछावर - 14.69 इंच
रेहटी - 13.67 इंच
सीहोर - 12.94 इंच
बुधनी - 11.44 इंच
श्यामापुर - 7.73 इंच (सबसे कम)

कृषि और जलस्तर के लिए अहम होगा अगली बारिश: विशेषज्ञों का मानना है कि अगले कुछ दिनों में होने वाली बारिश खरीफ फसलों के लिए बेहद महत्वपूर्ण साबित होगी।

इससे खेतों में नमी बढ़ेगी, जलस्तर में सुधार होगा और किसानों को सिंचाई की चिंता से राहत मिल सकेगी। फिलहाल जिले के किसान मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार अच्छी बारिश की उम्मीद लगाए हुए हैं।

पूछताछ कर रही है।

आप दिन दोनो था विवाद: पड़ोसियों ने बताया कि आए दिन दोनों भाइयों में शराब के नशे में विवाद होता था। बड़ा भाई हमसा छोटे को मारता था। लेकिन छोटे ने कभी हाथ नहीं उठया। बड़ा भाई त्रिलोकचंद लोहे के सरिये लगाने का काम करता है जबकि मृतक ढोल बजाता था। दो बहने भी जिनकी शादी हो चुकी है।

थाना प्रभारी गायत्री सोनी ने बताया कि प्रार्थमिक जांच में शराब के नशे में दोनों भाइयों में विवाद हुआ है। जिसमें छोटे भाई की इलाज के दौरान मौत हो गई है। इलाज के लिए मृतक का बड़ा भाई भी साथ गया था। इंदौर से आने पर उससे पूछताछ की जाएगी। सारे तथ्यों में ध्यान रख घटनाक्रम की जांच की जा रही है।

मप्र पर्यटन विज-2026 हेतु 25

जुलाई तक किए जा रहे हैं पंजीयन

मीडिया ऑडीटर,रायसेन (निप्र)। मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड द्वारा प्रदेश के समृद्धशाली इतिहास, परम्पराओं, ऐतिहासिक धरोहर, सांस्कृतिक विविधताओं, कला, प्राकृतिक समृद्धि, महापुरुषों, पर्यटन महत्व की संभावनाओं आदि से विद्यार्थियों को अवगत कराने तथा पर्यटन के माध्यम से जागरूक करने के उद्देश्य से वर्ष 2016 से निरंतर पर्यटन वि्वज का आयोजन किया जा रहा है।

इस पर्यटन वि्वज का आयोजन प्रदेश के समस्त जिलों में एक साथ, एक ही तिथि को किया जाता है। स्कूल शिक्षा विभाग के निरंतर सहयोग से यह आयोजन एक उत्सव का रूप ले चुका है।

रायसेन जिले में मध्यप्रदेश पर्यटन वि्वज-2026 के सफल आयोजन हेतु कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा द्वारा अधिकारियों को विस्तृत दिशा-निर्देश दिए गए हैं।

पर्यटन वि्वज-2026 के लिए प्रतिभागी टीम/विद्यालयों का पंजीयन कार्य 01 जुलाई से शुरू हो गया है तथा यह पंजीयन 25 जुलाई तक टूरिज्म बोर्ड की वेबसाइट <https://www.tourism.mp.gov.in> पर ऑनलाइन किए जा सकते हैं।जिला स्तर पर अधिक से अधिक हाई एवं हायर सेकेण्डरी स्कूलों के पंजीयन हेतु अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए गए हैं।

शराब दुकान में तोड़फोड़ और मारपीट के दो आरोपी गिरफ्तार

रंजिश में गढ़ाकोटा से आकर शराब दुकान पर किया था हमला, मुख्य आरोपी फरार

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर के गौरझामर में शराब दुकान पर तोड़फोड़ और कर्मचारियों से मारपीट के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों से थाने में पूछताछ के बाद उन्हें कोर्ट में पेश किया गया। मामले का मुख्य आरोपी समेत चार अन्य आरोपी अब भी फरार हैं। पुलिस उनकी तलाश कर रही है। पुलिस के अनुसार, 13 जुलाई की रात नकाबपोश बदमाश शराब दुकान में घुस गए थे। उन्होंने कर्मचारियों के साथ मारपीट की और दुकान के बाहर खड़ी बाइकों में भी तोड़फोड़ की। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। इस मामले में छह आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। जांच के दौरान पुलिस ने शराब दुकान के सीसीटीवी फुटेज खगाले। फुटेज



में मारपीट और तोड़फोड़ की घटना कैद मिली। इसके आधार पर आरोपियों की पहचान कर उनकी तलाश शुरू की गई।

ठेकेदार से था विवाद: पुलिस ने जांच के दौरान गढ़ाकोटा निवासी मनीष रैकवार और शुभम नामदेव को गिरफ्तार किया। पूछताछ में दोनों ने बताया

कि मुख्य आरोपी रामजी का शराब ठेकेदार मनीष लोधी से पुराना विवाद चल रहा था। इसी रंजिश में वह अन्य लोगों को साथ लेकर वारदात करने आया था। गौरझामर थाना प्रभारी नासिर फारुखी ने बताया कि गिरफ्तार दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

बीसीसीआई अध्यक्ष मन्हास ने सचिव सैकिया को आईसीसी में नई भूमिकाओं के लिए बधाई दी

नई दिल्ली ,एजेसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष मिथुन मनहास ने बीसीसीआई सचिव देवाजीत सैकिया को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की गवर्नेस रिव्यू कमेटी का चेयरमैन चुने जाने और आईसीसी फ्रेंचाइजी लीग कमेटी का सदस्य नियुक्त किए जाने पर बधाई दी है। स्कॉटलैंड के एडिनबर्ग में आयोजित आईसीसी की वार्षिक कॉन्फ्रेंस के दौरान सैकिया को यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई। आईसीसी बोर्ड ने अपनी सालाना बैठकों के दौरान दो नई सब-कमेटी बनाने को मंजूरी दी, जिसमें सैकिया को नई गवर्नेस रिव्यू कमेटी का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी सौंपी गई। वह क्रिकेट साउथ अफ्रीका के मोहम्मद मूसानी और आईसीसी के स्वतंत्र निदेशक रास रिवाज के साथ काम करेंगे। सैकिया को नई फ्रेंचाइजी लीग कमेटी का सदस्य भी बनाया गया है, जिसकी अध्यक्षता बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के अध्यक्ष तमीम इकबाल करेंगे। इस घोषणा के बाद, मन्हास ने इन नियुक्तियों को क्रिकेट प्रशासन में सैकिया के योगदान की पहचान बताया और खेल के वैश्विक विकास में योगदान देने की उनकी क्षमता पर भरोसा



जताया। इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए, मन्हास ने अपने सहयोगी की तारीफ करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'स्कॉटलैंड के एडिनबर्ग में हाल ही में हुई आईसीसी सालाना कॉन्फ्रेंस में

आईसीसी गवर्नेस रिव्यू कमेटी का चेयरमैन और आईसीसी फ्रेंचाइजी लीग कमेटी का सदस्य चुने जाने पर बीसीसीआई में मेरे सहयोगी देवजीत सैकिया को बहुत-बहुत बधाई। ' मन्हास ने कहा कि ये नियुक्तियां खेल के प्रशासन में सैकिया के लगातार योगदान को दर्शाती हैं। उन्होंने कहा, 'यह खास नियुक्ति क्रिकेट के प्रशासन और विकास के प्रति अटूट प्रतिबद्धता और अमूल्य योगदान की सही पहचान है। मुझे भरोसा है कि उनका अनुभव और नजरिया हमारे खेल के वैश्विक विकास को और मजबूत करेगा। ' गवर्नेस रिव्यू कमेटी उन दो नई बोर्ड सब-कमेटी में से एक है जिन्हें आईसीसी ने क्रिकेट प्रशासन के अहम पहलुओं की देखरेख के लिए बनाया है। गवर्नेस पैनल में सैकिया के नेतृत्व के साथ-साथ, नई बनी फ्रेंचाइजी लीग कमेटी में बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड, क्रिकेट नामीबिया, इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया और बीसीसीआई के प्रतिनिधि भी शामिल हैं। यह आईसीसी का गवर्नेस स्ट्रक्चर को मजबूत करने और तेजी से बढ़ रहे फ्रेंचाइजी क्रिकेट के दायरे पर लगातार ध्यान देने को दर्शाता है।

ल्यूक रॉची छोड़ेंगे न्यूजीलैंड टीम के बैटिंग कोच का पद बीबीएल में मेलबर्न रेनेगेड्स से जुड़ेंगे



काइस्टचर्च ,एजेसी। ल्यूक रॉची न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के बल्लेबाजी कोच के पद से इस्तीफा देंगे। वह बिग बैश लीग (बीबीएल) में मेलबर्न रेनेगेड्स की टीम के नए हेड कोच बनेंगे। रॉची अक्टूबर में न्यूजीलैंड के भारत दौरे के दौरान टीम के साथ काम करना जारी रखेंगे और सीरीज खत्म होने के बाद मेलबर्न रेनेगेड्स से जुड़ेंगे। रॉची ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड, दोनों देशों के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट खेल चुके हैं। उन्होंने साल 2020 में न्यूजीलैंड टीम के फुल-टाइम बल्लेबाजी कोच की जिम्मेदारी संभाली थी। उस समय पीटर फुल्टन के कैटरबरी का मुख्य कोच बनने के बाद यह पद खाली हुआ था। रॉची ने कहा कि नेशनल टीम के साथ काम करना उनके लिए किसी सपने के सच होने जैसा रहा। उन्होंने कहा कि इतने वर्षों तक खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ के साथ काम करने का मौका मिलना उनके लिए गर्व की बात है। उनका हमेशा यही लक्ष्य रहा कि टीम के बल्लेबाज इंटरनेशनल स्तर पर बेहतर प्रदर्शन करें। उन्होंने कहा कि इस दौरान टीम के साथ कई यादगार पल बिताने का अवसर मिला, जिन्हें वह हमेशा याद रखेंगे।

रॉची के कार्यकाल में न्यूजीलैंड टीम ने कई बड़ी सफलताएं हासिल कीं। टीम ने 2021 में पहली बार आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का खिताब जीता। इसके अलावा 2021 और 2026 में आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के फाइनल में जगह बनाई। न्यूजीलैंड ने 2024 में भारत को उसी के घर में 3-0 से टेस्ट सीरीज में हराया। टीम ने 2025 आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में भी अच्छा प्रदर्शन किया। इसी साल जनवरी में भारत के खिलाफ उन्हीं की सरजमीं पर 2-1 से वनडे सीरीज जीती और जून में इंग्लैंड को उनकी ही धरती पर टेस्ट सीरीज में 2-1 से हराया।

न्यूजीलैंड के टेस्ट कप्तान टॉम लाथम ने रॉची की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि रॉची टीम के सबसे अहम सदस्यों में से एक रहे हैं। पहले खिलाड़ी के रूप में और बाद में कोच के तौर पर उन्होंने टीम के माहौल और संस्कृति को मजबूत बनाने में बड़ी भूमिका निभाई। लाथम ने कहा कि रॉची की कोचिंग में कई खिलाड़ियों के खेल में सुधार आया। वह हमेशा टीम की सफलता के लिए पूरी मेहनत करते रहे और इसका असर मैदान पर साफ दिखाई दिया। उन्होंने कहा कि टीम रॉची को जरूर याद करेगी, लेकिन उनके नए सफर के लिए सभी खिलाड़ी उन्हें शुभकामनाएं देते हैं।

क्वार्टर फाइनल मैच से ओकुहारा के हटने के बाद सेमीफाइनल में पहुंचीं पीवी सिंधु

टोक्यो ,एजेसी। भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधु ने शुक्रवार को जापान ओपन सुपर 750 के सेमीफाइनल का टिकट हासिल कर लिया है। क्वार्टर फाइनल में सिंधु का मुकाबला नोजोमी ओकुहारा से होना था, लेकिन वह चोट के कारण मैच में हिस्सा नहीं ले सकीं। यह इस सीजन में सिंधु का तीसरा सेमीफाइनल है। इससे पहले वह मलेशिया सुपर 1000 और ऑस्ट्रेलिया सुपर 500 के सेमीफाइनल में पहुंची थीं। इसके साथ ही, 2023 डेनमार्क ओपन के बाद यह उनका पहला सुपर 750 सेमीफाइनल है। 31 वर्षीय भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु की निगाहें इस सीजन का पहला खिताब जीतने पर होगी। सेमीफाइनल मुकाबले में उनका सामना टोक्यो ओलंपिक चैंपियन और दुनिया की विश्व की नंबर 4 चीनी खिलाड़ी चेन युफेंग से होगा। सिंधु और चेन युफेंग के बीच अब तक कड़ा मुकाबला देखने को मिला है। हालांकि, हेड-टू-हेड रिकॉर्ड में सिंधु उनसे 6-8 से पीछे हैं। सिंधु को युफेंग के खिलाफ पिछले पांच मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है। सेमीफाइनल में जीत न केवल सिंधु के हारने के इस सिलसिले को खत्म करेगी, बल्कि लगभग तीन साल में उनके पहले सुपर 750 फाइनल में पहुंचने का रास्ता भी साफ होगा। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु बीडब्ल्यूएफ सुपर 750 टूर्नामेंट में अब भारत की एकमात्र दावेदार हैं। सिंधु ने प्री-क्वार्टर फाइनल मैच में विश्व की नंबर 5 खिलाड़ी हान युए को सिर्फ 35 मिनट में हराया था।

इंग्लैंड के फीफा विश्व कप से बाहर होने के बाद बेलिंगहम ने लिखा भावुक पोस्ट

फैंस का किया धन्यवाद



बेलिंगहम ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'इंस्टाग्राम' पर लिखा, 'बीते कुछ हफ्तों और कल के दिन को शब्दों में बयां करना आसान नहीं है। कंसास में हमारे इंडवर ने जो बात कही, उसने हमारी भावनाओं को पूरी तरह व्यक्त कर दिया। मैं उन सभी लोगों का दिल से धन्यवाद देना चाहता हूँ जिन्होंने घर से हमारा हौसला बढ़ाया और अपनी मेहनत की कमाई खर्च कर अमेरिका आकर हमारा समर्थन किया। हमारे देश के लोगों के बीच जो एकता और प्यार इस अभियान के दौरान देखने को मिला, उसे यहीं खत्म नहीं होने देना चाहिए। अगर हम इसी तरह एकजुट रहें, तो हम आगे भी बड़ी उपलब्धियां हासिल कर सकते हैं। आप सभी का दिल से धन्यवाद और ढेर सारा प्यार।' इंग्लैंड के बाहर होने के बावजूद, बेलिंगहम का टूर्नामेंट शानदार रहा और वह थॉमस टयूशेल के बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक रहे। इस मिडफील्डर ने टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 7 गोल दगे, जिसमें नॉर्वे के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में मैच जिताने वाले दो गोल शामिल रहे। नॉर्वे के खिलाफ बेलिंगहम के दो गोल की बदौलत इंग्लैंड ने चौथी बार सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। राउंड ऑफ 16 में मैक्सिको के खिलाफ भी बेलिंगहम ने दो गोल किए थे।

इंग्लैंड ने नॉकआउट स्टेज में डीआर कांगो, मैक्सिको और नॉर्वे को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। इस शानदार प्रदर्शन से टीम के 60 साल से अधिक समय से दूसरे विश्व कप खिताब का इंतजार खत्म होने की उम्मीद बढ़ गई थी। हालांकि, सेमीफाइनल में अर्जेंटीना ने मैच के अंतिम समय में जोरदार वापसी करते हुए इंग्लैंड की उम्मीदों पर पानी फेर दिया।

‘आरआर छोड़ना आसान नहीं था’,

सीएसके में जाने की पूरी कहानी संजू सैमसन ने खुद बताई

नई दिल्ली,एजेसी। भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन के लिए आईपीएल 2026 एक अलग अनुभव रहा। सैमसन इस बार आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) की गुलाबी नहीं, बल्कि चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की पीली जर्सी में दिखे। आरआर में लंबा समय बिताने के बाद सीएसके में पहुंचे सैमसन ने अपनी पुरानी आईपीएल टीम और उसे छोड़ने के समय को याद किया है। सैमसन ने जियोस्टार के शो 'सुपरस्टार्स' पर कहा, 'आरआर से अलग होना मेरे लिए बहुत बड़ा फैसला था। मेरा मानना ​​?हैं कि जब आप कुछ समय तक किसी टीम के लिए खेलते हैं, तो आपको लगने लगता है कि यह आपकी टीम है और कोई आपको हटा नहीं सकता। हालांकि, मुझे हमेशा यह एहसास रहता था कि किसी भी जगह पर हर किसी का समय सीमित होता है। आप अपना काम करते हैं और फिर आगे बढ़ जाते हैं। आईपीएल 2025 के बाद एक ऐसा समय आया जब मुझे लगा कि मुझे आगे बढ़ना चाहिए। मैंने खुद से कहा कि लड़के तैयार हैं और आरआर संजू सैमसन के बिना खेलने के लिए तैयार है। मैंने उसी समय आरआर छोड़ने के बारे में सोचा।' सीएसके में जाने के अपने फैसले पर सैमसन ने सबसे पहले पूर्व कप्तान एमएस धोनी और मौजूदा कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ के प्रभाव का जिक्र किया। उन्होंने कहा, 'जब आप कहीं और जाने के बारे में सोचते हैं, तो आप सोचते हैं कि कहाँ जाएं और किस टीम में शामिल हों।

► **उन्होंने कहा,** 'दूसरे खिलाड़ियों से सीएसके के बारे में जो सुना था, उसके आधार पर मुझे लगा कि यह फ्रेंचाइजी मेरे लिए सही है। अगर मैं वहां जाता हूँ, तो यह मेरे लिए बहुत अच्छा होगा। मैंने ऐसी इच्छा की थी, लेकिन ट्रेड एक मुश्किल चीज है।



बुडापेस्ट रैंकिंग सीरीज:

हसिका को सिल्वर से करना पड़ा संतोष, रजत ने जीता ब्रॉन्ज मेडल

बुडापेस्ट ,एजेसी। भारत की हसिका लांबा ने बुडापेस्ट रैंकिंग सीरीज में महिलाओं के 55 किलोग्राम प्रीस्टाइल इवेंट में सिल्वर मेडल अपने नाम किया। हालांकि, वह गोल्ड मेडल जीतने से चूक गई और उन्हें फाइनल में यूक्रेन की नतालिया कलीवचुत्स्का के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। 19 वर्षीय हसिका को कलीवचुत्स्का के खिलाफ 0-5 से हार झेलनी पड़ी। हसिका लांबा ने क्वार्टर फाइनल में तुर्की की तुबा डेमिर को 8-4 से हराकर अपने अभियान की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने सेमीफाइनल में जर्मनी की अनास्तासिया ब्लेवास के खिलाफ शानदार वापसी करते हुए 10-7 से जीत दर्ज की थी। 2-7 से पिछड़ने के बाद, लांबा ने चार बार टेकडाउन करके जीत हासिल की और फाइनल का टिकट हासिल किया। वह इस साल शानदार फॉर्म में रही हैं और अपने दो अन्य अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट-एशियन चैंपियनशिप और उलानबटार ओपन में ब्रॉन्ज मेडल जीत चुकी हैं। महिलाओं के

50 किलोग्राम वर्ग में प्रियांशी प्रजापत को रेपचेज के जरिए मौका मिलने के बाद ब्रॉन्ज मेडल के मुकाबले में इक्वाडोर की जैकलीन मोलोकाना से 4-2 से हार का सामना करना पड़ा। प्रियांशी ने 50 किलोग्राम भार वर्ग में अपने अभियान की शुरुआत शानदार जीत के साथ की थी। उन्होंने पैन-अमेरिकन चैंपियन अमेरिका की केंटी गोमेज को 'फॉल' के जरिए हराया था। मुकाबले में गोमेज ने शुरुआत में बढ़त बना ली थी, लेकिन प्रियांशी ने बेहतरीन वापसी करते हुए उनके पैरों पर हमला किया और उन्हें पिन करके मुकाबला अपने नाम कर लिया।

हालांकि, क्वार्टर फाइनल में प्रियांशी को चीन की फेंग जिकि के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। फेंग जिकि ने यह मुकाबला तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर जीता। चीन की फेंग जिकि पेरिस ओलंपिक की बॉन्ज मेडल विजेता भी रह चुकी हैं।

एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप के लिए भारतीय टीम का ऐलान

नई दिल्ली,एजेसी। हॉकी इंडिया ने एफआईएच महिला विश्व कप 2026 के लिए भारत की 20 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। टीम की कप्तान सलीमा टेटे के हाथों में सौंपी गई है। भारतीय महिला हॉकी टीम के हेड कोच स्पोर्ट्स मारिजने ने चुनी गई टीम को बेहद संतुलित बताया है। विश्व कप का आयोजन 15 से 30 अगस्त के बीच होना है। टूर्नामेंट की मेजबानी नीदरलैंड और बेल्जियम मिलकर करेंगे। बेंगलुरु में नेशनल कैंप में ट्रेनिंग कर रही इस टीम में अनुभवी खिलाड़ियों और होनहार युवा खिलाड़ियों का मिश्रण है। इन युवा खिलाड़ियों ने हाल के इंटरनेशनल टूर्नामेंट्स में सभी को प्रभावित किया है, खासकर पिछले महीने न्यूजीलैंड में हुए एफआईएच नेशंस कप में टीम का प्रदर्शन दमदार रहा था और भारत ने बिना कोई मैच हारे खिताब पर कब्जा जमाया था। टीम में सविता और बिचू देवी खारीबम को गोलकीपर के तौर पर शामिल किया गया है, जबकि डिफेंस यूनिट में इशिका चौधरी, सुशीला चानू पुखरामबम,



लालथंतलुंगी, ज्योति और शिल्पी डबास शामिल हैं। मिडफील्डर में कप्तान सलीमा के साथ निक्की प्रधान, साक्षी राणा, सुनेलिता टोपो, नेहा और दीपिका सोरांग को रखा गया है। वहीं, फॉरवर्ड लाइन में लालरैमियामी, रतुजा दादासा पिसल, नवनीत कौर, दीपिका, इशिका, बलजीत कौर और ब्यूटी डुंगडुंग को जगह दी गई है।

विश्व कप के लिए चुनी गई टीम को लेकर बातचीत करते हुए कोच मारिजाने ने कहा, 'हमने खिलाड़ियों का एक संतुलित ग्रुप चुना है जो इस गमी में आने वाली बड़ी चुनौतियों के लिए तैयार है। टीम ने टूर्नामेंट से पहले कड़ी मेहनत की है और हम इस ग्रुप का कंबिनेशन पर भरोसा है। हम दुनिया की बेहतरीन टीमों के खिलाफ खेलने और

● एफआईएच हॉकी महिला विश्व कप 2026 के लिए भारत की 20 सदस्यीय टीम:

गोलकीपर: सविता, बिचू देवी खारीबम
डिफेंडर: इशिका चौधरी, सुशीला चानू, पुखरामबम, लालथंतलुंगी, ज्योति, शिल्पी डबास
मिडफील्डर: निक्की प्रधान, साक्षी राणा, सुनेलिता टोपो, सलीमा टेटे (कप्तान), नेहा, दीपिका सोरांग
फॉरवर्ड: लालरैमियामी, रतुजा दादासा पिसल, नवनीत कौर, दीपिका, इशिका, बलजीत कौर, ब्यूटी डुंगडुंग।

सबसे बड़े मंच पर शानदार प्रदर्शन करने के लिए उत्साहित है। ‘

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने जिला चिकित्सालय में आधुनिक मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर का किया लोकार्पण

स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढीकरण की दिशा में बड़ी पहल, गर्भवती महिलाओं के शत-प्रतिशत पंजीयन और नियमित जांच के दिए निर्देश



मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने शुक्रवार को कुशाभाऊ ठकुरे जिला चिकित्सालय बिछिया रीवा के नवीन भवन में निर्मित अत्याधुनिक मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर का लोकार्पण किया इस अवसर पर उन्होंने अस्पताल की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए चिकित्सा अधिकारियों को मरीजों को बेहतर और गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा

कि रीवा जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं का निरंतर विस्तार किया जा रहा है, जिससे आमजन को आधुनिक चिकित्सा सेवाओं का लाभ मिल सके।

जिले से लेकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तक बेहतर उपचार व्यवस्था के निर्देश: उप मुख्यमंत्री ने कहा कि जिला अस्पताल में आधुनिक ओपीडी भवन के निर्माण से बाह्य रोगियों को बेहतर उपचार सुविधा मिल रही है। उन्होंने सिविल सर्जन एवं चिकित्सा अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिला चिकित्सालय से लेकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों तक मरीजों के उपचार की प्रभावी और संतोषजनक व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक मरीज को समय पर उपचार मिले और अस्पतालों में आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता बनी रहे।

गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य पर विशेष फोकस: उप मुख्यमंत्री ने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए विभिन्न वाडों का निरीक्षण किया तथा भर्ती मरीजों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना इस दौरान सिविल सर्जन डॉ. प्रतिभा मिश्रा ने बताया कि दो नए मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर शुरू होने से अब प्रतिदिन अधिक संख्या में सर्जरी की जा सकेगी इससे गंभीर मरीजों को ऑपरेशन के लिए लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा और उपचार प्रक्रिया अधिक प्रभावी एवं समयबद्ध होगी।

जनप्रतिनिधि एवं चिकित्सक रहे उपस्थित: निरीक्षण के दौरान राजगोपाल मिश्रा चारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ सर्जन डॉ. आलोक सिंह दुबे, सर्जन डॉ. अनुराग शर्मा सहित जिला चिकित्सालय के अनेक चिकित्सक एवं स्वास्थ्य अधिकारी उपस्थित रहे सभी ने अस्पताल में उपलब्ध कलाई जा रही नई स्वास्थ्य सुविधाओं को मरीजों के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।



जगन्नाथ स्वामी से रीवा वासियों पर कृपा बरसाने की प्रार्थना, अनुपम तिवारी ने किया पूजन-अर्चन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। सनातन संस्कृति के परम पावन रथयात्रा महापर्व के अवसर पर मानस मंडल रीवा के पूर्व अध्यक्ष एवं वरिष्ठ समाजसेवी अनुपम तिवारी ने भगवान जगन्नाथ स्वामी के चरणों में श्रद्धा भक्ति और समर्पण के साथ पूजन-अर्चन कर रीवा एवं समूचे विंध्य क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली को कामना की रथयात्रा के दौरान शत्रि विग्राम के लिए मानस भवन पधारे महाप्रभु जगन्नाथ स्वामी की सपरिवार पूजा-अर्चना करते हुए तिवारी अपनी धर्मपत्नी डॉ. नीता तिवारी के साथ उपस्थित रहे उन्होंने वैदिक विधि-विधान से आरती पूजन एवं अर्चन कर भगवान से प्रार्थना की कि रीवा और विंध्य क्षेत्र के सभी नागरिकों के जीवन में सुख समृद्धि आनंद

और सकारात्मक ऊर्जा का संचार हो साथ ही उन्होंने भगवान के चरणों में नमन करते हुए सभी भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण करने तथा क्षेत्र पर अपनी कृपा बनाए रखने की प्रार्थना की इस अवसर पर अनुपम तिवारी ने कहा कि भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा केवल एक धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति की समरसता समानता और मानव कल्याण की महान परंपरा का प्रतीक है उन्होंने कहा कि इस

पावन पर्व का सबसे बड़ा संदेश यह है कि भगवान स्वयं अपने भक्तों के बीच आकर बिना किसी भेदभाव के सभी को दर्शन देते हैं और उनके दुःख-दर्द हरने का आशीर्वाद प्रदान करते हैं यही सनातन धर्म की सबसे बड़ी विशेषता और महानता है उन्होंने समस्त रीवा एवं विंध्यवासियों सहित सभी सनातन प्रेमी श्रद्धालुओं को रथयात्रा महापर्व की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए भगवान जगन्नाथ बलभद्र एवं माता सुभद्रा से सभी के जीवन में सुख शांति समृद्धि उत्तम स्वास्थ्य और आध्यात्मिक उन्नति की कामना की उन्होंने कहा कि भगवान जगन्नाथ की असीम कृपा से समाज में प्रेम, सद्भाव और भाईचारे की भावना सुदृढ़ होगी तथा क्षेत्र निरंतर विकास और प्रगति के पथ पर अग्रसर रहेगा।

दिव्यगवां महाविद्यालय में विद्यार्थियों को कैरियर एवं कौशल विकास का प्रशिक्षण फिश फार्मिंग और रोजगारपरक शिक्षा पर विशेषज्ञों ने दी जानकारी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। भगवान बिरसा मुंडा शासकीय महाविद्यालय दिव्यगवां में स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ योजना के अंतर्गत विद्यार्थियों के कैरियर एवं कौशल विकास को लेकर कार्यक्रम आयोजित किए गए महाविद्यालय के सेमिनार हॉल में आयोजित कार्यक्रमों में विद्यार्थियों को स्वरोजगार और रोजगार के नए अवसरों की जानकारी प्रदान की गई 15 जुलाई 2026 को ‘फिश फार्मिंग’ विषय पर डॉ.विमलेश फिल्म का प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर डॉ. किरण

साकेत एवं डॉ. विष्णु देव प्रजापति ने विद्यार्थियों को मत्स्य पालन उद्योग स्वरोजगार की संभावनाओं तथा इस क्षेत्र में उपलब्ध कैरियर अवसरों के बारे में विस्तार से बताया वहीं 16 जुलाई को विंध्य युवा कौशल दिवस के अवसर पर कौशल विकास, रोजगारोन्मुख शिक्षा

एवं व्यक्तित्व विकास विषय पर मार्गदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया डॉ. बी.पी. सिंह एवं डॉ. वियोग सिंह ने विद्यार्थियों को कौशल आधारित शिक्षा के महत्व तथा रोजगार के विभिन्न अवसरों की जानकारी दी कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. दिनेश कुमार यादव ने विद्यार्थियों को

निरंतर कौशल उन्नयन एवं नवीन क्षेत्रों में कैरियर निर्माण के लिए प्रेरित किया इस अवसर पर स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के नोडल अधिकारी डॉ. अरुणेंद्र कुमार पाण्डेय, प्राध्यापकगण, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

जनगणना हैण्डबुक तैयार करने के लिए अधिकारियों को दिया गया प्रशिक्षण सामाजिक आर्थिक और आधारभूत संरचनाओं की जानकारी का होगा तथ्यपरक संकलन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। आगामी जनगणना कार्य को सुव्यवस्थित एवं कुटिहित बनाने के उद्देश्य से जिले में जनगणना हैण्डबुक तैयार करने संबंधी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया शासन के निर्देशों के अनुरूप कलेक्टर एवं जिला जनगणना अधिकारीनरेन्द्र कुमार सुर्यवंशी के मार्गदर्शन में तहसील हुजूर स्थित बीहर सभागार में आयोजित इस प्रशिक्षण में शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के क्षेत्र पदाधिकारियों चार्ज अधिकारियों तथा अन्य संबंधित अधिकारियों को जनगणना हैण्डबुक भरने एवं ऑनलाइन डेटा प्रविष्टि की प्रक्रिया का विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया जनगणना की सटीकता के लिए अधिकारियों को किया गया प्रशिक्षित प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य जनगणना से संबंधित सभी

महत्वपूर्ण जानकारीयों का सही ढंग से संकलन, सत्यापन और डिजिटलीकरण सुनिश्चित करना था अधिकारियों को बताया गया कि हैण्डबुक जनगणना प्रक्रिया का महत्वपूर्ण दस्तावेज है जिसके आधार पर जिले की विस्तृत सामाजिक, आर्थिक भौगोलिक एवं आधारभूत संरचनाओं से संबंधित प्रमाणिक जानकारी तैयार की जाएगी प्रशिक्षण में अधिकारियों को निर्धारित प्रारूपों में सूचनाएं दर्ज

करने तथा डेटा की गुणवत्ता बनाए रखने के संबंध में विशेष मार्गदर्शन दिया गया। हैण्डबुक के माध्यम से तैयार होगी जिले की विस्तृत प्रोफाइल: जिला सूचना विज्ञान अधिकारी मनीष पटेल ने प्रशिक्षण के दौरान बताया कि जनगणना हैण्डबुक में संकलित सूचनाओं का सत्यापन करने के बाद उन्हें ऑनलाइन पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा इसी हैण्डबुक के आधार पर जिले के

ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों की विस्तृत प्रोफाइल तैयार होगी, जिससे भविष्य की विकास योजनाओं के निर्माण और क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण सहायता मिलेगी उन्होंने बताया कि हैण्डबुक में शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, विद्युत, सड़क, संचार, बैंकिंग, परिवहन, कृषि, पंचायत, नगरीय निकाय तथा अन्य आधारभूत सुविधाओं से संबंधित विस्तृत और तथ्यपरक जानकारी दर्ज की जाएगी। इससे शासन को

विकास योजनाओं की वास्तविक आवश्यकता और क्षेत्रवार स्थिति का सटीक आकलन करने में सुविधा होगी। डेटा सत्यापन एवं ऑनलाइन प्रविष्टि की प्रक्रिया समझाई गई: प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर शशिकंत शुक्ला एवं मुकेश मालवीय ने विवादित भूमांका को सीमांकन कर सड़क निर्माण के लिए चिन्हांकन किया गया, जबकि उनके पास पूर्व सीमांकन से संबंधित दस्तावेज उपलब्ध हैं दयानंद सेन ने कलेक्टर से मामले की निष्पक्ष जांच

आंकड़ों का सत्यापन, त्रुटियों के सुधार तथा अंतिम रूप से ऑनलाइन पोर्टल पर जानकारी दर्ज करने की विस्तृत जानकारी दी प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया गया, ताकि जनगणना कार्य के दौरान किसी प्रकार की त्रुटि न हो। तहसीलदार, चार्ज अधिकारी एवं पटवारी रहे उपस्थित:प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिले के विभिन्न तहसीलों के तहसीलदार चार्ज अधिकारी, तकनीकी सहायक पटवारी तथा जनगणना कार्य से जुड़े अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे अधिकारियों ने प्रशिक्षण के जगणणना की सफलता के लिए उपयोगी बताते हुए निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण एवं कुटिहित जानकारी संकलित करने का संकल्प लिया।

सोनम वांगचुक के समर्थन में 19 जुलाई को रीवा कमिश्नरी के समक्ष धरना

छात्रों, युवाओं, सामाजिक संगठनों और नागरिकों से अधिकाधिक संख्या में शामिल होने की अपील

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। प्रसिद्ध इंजीनियर, शिक्षा सुधारक एवं पर्यावरणविद् सोनम वांगचुक के समर्थन में 19 जुलाई (रविवार) को रीवा कमिश्नरी कार्यालय के समक्ष धरना-प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक आयोजित होगा। आयोजनकर्ताओं ने रीवा संभाग के विद्यार्थियों युवाओं, अधिवक्ताओं सामाजिक संगठनों, किसान संगठनों, बुद्धिजीवियों एवं आम नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है। समर्थन में आयोजित होगा शांतिपूर्ण धरना: आयोजकों के अनुसार यह धरना सोनम वांगचुक के समर्थन में आयोजित किया जा रहा है। अधिवक्ता शिव सिंह ने बताया कि वांगचुक पिछले कई दिनों से अपनी विभिन्न मांगों को लेकर दिल्ली के जंतर-मंतर पर आंदोलनरत हैं। उन्होंने कहा कि 20 जुलाई को प्रस्तावित संसद मार्च से एक दिन पहले देश के विभिन्न हिस्सों में समर्थन

कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिसके तहत रीवा में भी यह धरना रखा गया है। सामाजिक संगठनों से भागीदारी की अपील: शिव सिंह एडवोकेट ने बताया कि धरना पूरी तरह शांतिपूर्ण रहेगा। उन्होंने छात्र-छात्राओं, युवाओं, समाजसेवियों, अधिवक्ताओं, किसान संगठनों, विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों तथा जागरूक नागरिकों से कार्यक्रम में शामिल होकर लोकतांत्रिक तरीके से अपनी सहभागिता दर्ज कराने का आग्रह किया आयोजकों का कहना है कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य आंदोलन के प्रति समर्थन व्यक्त करना तथा शिक्षा, पर्यावरण और जनहित से जुड़े मुद्दों पर जनजागरूकता बढ़ाना है कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों से अनुशासन एवं शांतिपूर्ण वातावरण बनाए रखने की अपील भी की गई है।

सेमरिया तहसील में भाकियू (टिकैत) का धरना प्रदर्शन किसानों की समस्याओं को लेकर सौंपा ज्ञापन 21 जुलाई को रीवा कलेक्ट्रेट में प्रस्तावित आंदोलन में अधिक से अधिक किसानों से शामिल होने की अपील

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। भारती किसान यूनियन (टिकैत) के बैनर तले शुक्रवार को तहसील सेमरिया परिसर में किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन आयोजित किया गया कार्यक्रम की अध्यक्षता शिवमंगल सिंह ने की धरने के बाद किसानों ने मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश शासन के नाम तहसीलदार सेमरिया को ज्ञापन सौंपते हुए खाद, पेयजल, विद्युत, आवाग पशुओं एवं अन्य मूलभूत समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की धरना-प्रदर्शन को संबोधित करते हुए भाकियू (टिकैत) के जिला अध्यक्ष सुग्रीव सिंह ने कहा कि सरकार किसानों से किए गए वादों को पूरा करने में विफल रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि किसान आज डीएपी एवं यूरिया जैसी आवश्यक खाद की कमी, ई-टोकन सहकारी समिति में समय पर खाद उपलब्ध

करीब डीएपी की कमी, ई-टोकन सहकारी समिति में समय पर खाद उपलब्ध

करीब डीएपी की कमी, ई-टोकन सहकारी समिति में समय पर खाद उपलब्ध

करीब डीएपी की कमी, ई-टोकन सहकारी समिति में समय पर खाद उपलब्ध

करीब डीएपी की कमी, ई-टोकन सहकारी समिति में समय पर खाद उपलब्ध

करीब डीएपी की कमी, ई-टोकन सहकारी समिति में समय पर खाद उपलब्ध

करीब डीएपी की कमी, ई-टोकन सहकारी समिति में समय पर खाद उपलब्ध

पट्टे की जमीन बचाने फौजी ने कलेक्टर से लगाई न्याय की गुहार राजस्व अधिकारियों पर कार्रवाई नहीं करने का आरोप, परिवार को प्रताड़ित किए जाने की शिकायत

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले की हुजूर तहसील अंतर्गत ग्राम दुबहा निवासी एवं श्रीनगर सीमा पर तैनात सैनिक दयानंद सेन ने अपनी पट्टे की भूमि को बचाने तथा न्याय दिलाने की मांग को लेकर कलेक्टर रीवा से गुहार लगाई है उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री, कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक तथा चोरहटा थाना में शिकायत देने के बावजूद राजस्व अधिकारियों द्वारा अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई दयानंद सेन का कहना है कि पड़ोसियों के आग्रह पर उन्होंने रास्ते के लिए अपनी भूमि का हिस्सा छोड़ा था, जिसके बदले उन्हें दूसरी ओर चार डिसेमिल जमीन देने का आश्वासन दिया गया था। आरोप है कि बाद में न तो वादा पूरा किया गया और उल्टे उनके विरुद्ध अतिक्रमण का मामला दर्ज करा दिया गया सैनिक ने आरोप लगाया कि उनकी अनुपस्थिति में उनकी वृद्ध माता, पत्नी और परिवार को बार-बार नोटिस एवं अन्य कार्रवाई के माध्यम से परेशान किया जा रहा है। उनका यह भी आरोप है कि हाल ही में संबंधित राजस्व अधिकारियों के मौजूदगी में विवादित भूमि का सीमांकन कर सड़क निर्माण के लिए चिन्हांकन किया गया, जबकि उनके पास पूर्व सीमांकन से संबंधित दस्तावेज उपलब्ध हैं दयानंद सेन ने कलेक्टर से मामले की निष्पक्ष जांच

करीब डीएपी की कमी, ई-टोकन सहकारी समिति में समय पर खाद उपलब्ध

करीब डीएपी की कमी, ई-टोकन सहकारी समिति में समय पर खाद उपलब्ध

करीब डीएपी की कमी, ई-टोकन सहकारी समिति में समय पर खाद उपलब्ध

करीब डीएपी की कमी, ई-टोकन सहकारी समिति में समय पर खाद उपलब्ध

करीब डीएपी की कमी, ई-टोकन सहकारी समिति में समय पर खाद उपलब्ध

करीब डीएपी की कमी, ई-टोकन सहकारी समिति में समय पर खाद उपलब्ध

करीब डीएपी की कमी, ई-टोकन सहकारी समिति में समय पर खाद उपलब्ध

टीआरएस कॉलेज में ‘मेरा युवा भारत’ अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शासकीय ठाकुर रणमत सिंह स्वशासी महाविद्यालय, रीवा के समाजशास्त्र विभाग में मेरा युवा भारत अभियान के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. अर्पिता अवस्थी के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को राष्ट्र निर्माण, नेतृत्व विकास, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं व्यक्तित्व विकास के लिए प्रेरित करना रहा कार्यक्रम के संयोजक एवं समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. अखिलेश शुक्ल ने कहा कि मेरा युवा भारत अभियान युवाओं को समाज सेवा, नेतृत्व विकास और राष्ट्र निर्माण की गतिविधियों से जोड़ने वाला प्रभावी मंच है। उन्होंने विद्यार्थियों से शैक्षणिक गतिविधियों के साथ सामाजिक एवं राष्ट्रीय कार्यों में सक्रिय

करीब डीएपी की कमी, ई-टोकन सहकारी समिति में समय पर खाद उपलब्ध

करीब डीएपी की कमी, ई-टोकन सहकारी समिति में समय पर खाद उपलब्ध

करीब डीएपी की कमी, ई-टोकन सहकारी समिति में समय पर खाद उपलब्ध

करीब डीएपी की कमी, ई-टोकन सहकारी समिति में समय पर खाद उपलब्ध

करीब डीएपी की कमी, ई-टोकन सहकारी समिति में समय पर खाद उपलब्ध

करीब डीएपी की कमी, ई-टोकन सहकारी समिति में समय पर खाद उपलब्ध

करीब डीएपी की कमी, ई-टोकन सहकारी समिति में समय पर खाद उपलब्ध

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रपूर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।